



सब का सपना



जनपदस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 2026 में गजरौला व धनौरा की टीमों **पेज: 3**

क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी में नजर आएंगी' **पेज: 8**

वर्ष : 02 **अंक : 169** **बुधवार 23 सितंबर 2026** **अमरोहा (उत्तर प्रदेश)** **www.sabkasapna.com** **पृष्ठ : 08** **मूल्य: 2 रुपए**

मणिपुर में 18 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 18 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। बताया गया कि छात्र किसी काम से बाहर गया था, इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उसे गोली मार दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है।

सोनिया गांधी वोटर लिस्ट मामले में भाजपा ने राहुल से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के नाम को 1980 की मतदाता सूची में शामिल किए जाने से जुड़े मामले को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी से जवाब मांगा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सोनिया गांधी की भारतीय नागरिकता 1983 में हुई थी, तो 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम कैसे शामिल हुआ? भाजपा ने इस मामले में जांच की मांग करते हुए राहुल गांधी से इस पर जवाब देने को कहा है। दरअसल दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 21 सितंबर 2026 को महत्वपूर्ण आदेश दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने उस मजिस्ट्रेट आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ एकआईआर दर्ज करने और जांच की मांग वाली शिकायत खारिज कर दी गई थी। अदालत ने मामले को वापस मजिस्ट्रेट के पास भेजते हुए नए सिर से सुनवाई के निर्देश दिए हैं। अब 29 सितंबर को मजिस्ट्रेट अदालत में मामले की नए सिर से सुनवाई होगी। उस सुनवाई में शिकायत और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय की जानी है। अब चूंकि मामला अदालत में विचारार्थी है, ऐसे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी और जुबानी हमलों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत में अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी महिलाओं को सजा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे की अदालत ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के अलग-अलग मामलों में दो बांग्लादेशी महिलाओं को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। दोनों मामलों की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीशों की अदालत में हुई। पहले मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जी. डी. शेल्ले ने 55 वर्षीय मोजिना ओलियर फकीर को विदेशी अधिनियम की धारा 14ए(बी) के तहत दोषी पाया। अदालत ने उसे दो साल के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ (एएचटीसी) ने फकीर को 12 मई 2025 को मीरा रोड (पूर्व) स्थित शांति पार्क से गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान उसके भारत में रहने से संबंधित वेब दस्तावेज नहीं पाए जाने के बाद उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। दूसरे मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश टी. एल. भोसले ने 35 वर्षीय रूबन बेगम चाचामियां शेख को भारतीय पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम और विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत दोषी ठहराया। एएचटीसी ने उसे 24 मई 2025 को मीरा रोड (पूर्व) से गिरफ्तार किया था। अधिकारियों को शेख के मोबाइल फोन में बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र की डिजिटल प्रतियां मिली थीं। अदालत ने पासपोर्ट अधिनियम के तहत उसे छह महीने के सश्रम कारावास और विदेशी अधिनियम के तहत एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इस तरह अदालत ने दोनों मामलों में भारत में वैध दस्तावेजों के बिना रहने से जुड़े आरोपों पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोषारिद्धि की। दोनों मामलों में मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ की कार्यवाई के बाद न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ी थी।

जम्मू-कश्मीर: सियालदह एक्सप्रेस पर पथराव, शीशा टूटा; वंदे भारत भी प्रभावित

जम्मू (एजेंसी)। सोमवार देर रात जम्मू से कटुआ जा रही सियालदह एक्सप्रेस के फेंट विंडोशीड को सांबा रेलवे स्टेशन के पास नुकसान पहुंचा। यह घटना रेलवे जाईंट नंबर 65/03, कालिबाड़ी सांबा के नजदीक हुई, जहां ट्रेन का अगला शीशा टूट गया। हालांकि, इस क्षति का सही कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन शुरुआती जांच और लोकल रिपोर्टों में पथराव की घटना से जोड़ा जा रहा है। सूचना मिलते ही कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जिसमें ए.एस.पी. गरु राम भारद्वाज और डी.एस.पी. शामिल थे, जी.आर.पी. और एस.ओ.जी. टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस टीमों ने रेलवे ट्रैक और आसपास के इलाके की गहनता से तलाशी ली और घटना से जुड़े संभावित कारणों की विस्तृत जांच शुरू की। इस अप्रत्याशित घटना के चलते, दिल्ली से जम्मू जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस को भी सुरक्षा जांच पूरी होने तक सांबा रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। रेलवे ट्रैक की गहन जांच और सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद, लगभग रात 12:30 बजे रेल सेवाओं को फिर सुचारु कर दिया गया। पुलिस आगे की कार्यवाई कर रही है।

पीएम मोदी ने केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटिल द्वारा लिखा एक लेख साझा किया, जल सुरक्षा पर भारत का दृष्टिकोण

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार को केन्द्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल का लिखा एक लेख साझा किया है। जिसमें जल-सुरक्षित भविष्य प्राप्त करने के लिए भारत के व्यापक दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। पीएम मोदी के हवाले से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने केन्द्रीय मंत्री पाटिल का लेख साझा करते हुए सोशल मीडिया हैंडल एम्स पर लिखा, हूजल सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है, जिसके लिए मजबूत सिस्टम, वैज्ञानिक समाधान और जन-भागीदारी की जरूरत है। केन्द्रीय मंत्री श्री @उफंडे' ने जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, जल संरक्षण और टेक्नोलॉजी-आधारित समाधानों के जरिए जलवायु-अनुकूल जल प्रबंधन बनाने की भारत की कोशिशों के बारे में लिखा है। उन्होंने



आगे कहा कि यह एक बहुत ही जानकारीपूर्ण नजरिया है कि कैसे लोगों की भागीदारी और राज्यों व समुदायों की लगातार कोशिशें भविष्य की पीढ़ियों के

लिए टिकाऊ तरीके से पानी सुरक्षित करने में मदद कर सकती हैं। वहीं, एक एक्स अन्य पोस्ट में सी. आर. पाटिल ने लिखा कि जल एक साझा संसाधन है और

इसलिए जल सुरक्षा हमारी साझी जिम्मेदारी भी है। जल का स्वभाव ही ऐसा है कि वह सीमाओं से बंधकर नहीं रहता। नदियां एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक

उन्होंने आगे कहा कि आज इसकी जरूरत पहले से अधिक है। क्लाइमेट चेंज के कारण जल चक्र तेजी से बदल रहा है। कहीं बहुत ज्यादा बारिश भी हो रही है, कहीं बहुत कम....

बहती हैं,विभिन्न समुदायों को जोड़ती हैं। और वर्षा की अधिकता या कमी दूर-दराज क्षेत्रों में बाढ़ या सूखे का कारण बनती है। इसी कारण जल प्रबंधन को अलग-अलग हिस्सों में नहीं, बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण से देखना चाहिए। यही

भावना इस इंडिया इंटरनेशनल वॉटर वीक में भी है। इस वर्ष का विषय है ह्यूमलाइमेट रेंजिलिएंट वॉटर मैनेजमेंट उन्होंने आगे कहा कि आज इसकी जरूरत पहले से अधिक है। क्लाइमेट चेंज के कारण जल चक्र तेजी से बदल रहा है। कहीं बहुत ज्यादा बारिश भी हो रही है, कहीं बहुत कम, और कई बार बारिश उस समय नहीं होती जहां जल की आवश्यकता होती है। हिमालयी क्षेत्र की हाल की घटनाएं और वर्ष 2023 में सिक्किम की आपदा हमें यह दिखाती है कि बदलती जलवायु के साथ जोखिम भी बदल रहे हैं। पाटिल ने कहा कि हमें बेहतर विज्ञान, मजबूत मॉनिटरिंग, समय पर अलर्ट वार्निंग और बेहतर तैयारी की जरूरत है। सबसे जरूरी है एक-दूसरे के अनुभवों से सीखना और मिलकर काम करना।

अखिलेश के ‘चवन्नी’ तंज पर त्यागी ने किया पलटवार

-केसी बोले- हम चवन्नी नहीं, महात्मा गांधी की तस्वीर वाला 500 रुपये का नोट है

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की 'चवन्नी' वाली टिप्पणी पर राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि रालोद को 'चवन्नी' समझने की भूल कतई नहीं करनी चाहिए, बल्कि वह महात्मा गांधी की तस्वीर वाला 500 रुपये का नोट है। केसी त्यागी ने यह बात हाथरस के मुराराम में रालोद की 'स्वाभिमान सम्मान पदयात्रा एवं समरसता अभियान' की शुरुआत के दौरान की। रालोद नेता त्यागी की यह प्रतिक्रिया अखिलेश यादव की आगस्त में की गई टिप्पणी के संदर्भ में है। अखिलेश ने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को 'चवन्नी' कहा था। दरअसल यह टिप्पणी

2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान चौधरी के उस बयान से जुड़ी थी, जब वह समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में थे। उस समय चौधरी ने बीजेपी की ओर से दिए गए प्रस्तावों को ठुकरा दिया था और कहा था कि वह ऐसी 'चवन्नी' नहीं हैं, जिसे आसानी से 'पलटा' जा सके। इस घटना के बाद रालोद ने सपा से गठबंधन खत्म कर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजपा) का साथ दिया। यहां बताते चलें कि जयंत चौधरी वर्तमान में केन्द्र सरकार में मंत्री हैं। रालोद संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष त्यागी ने कहा कि उनके पिता युलयम सिंह यादव, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के राजनीतिक प्रभाव को अच्छी तरह से समझते थे, लेकिन अमली पौड़ी शायद इसे याद नहीं रख पाईं। उन्होंने कहा कि अब पार्टी को यह साबित करना है कि वह 'चवन्नी' नहीं, बल्कि 500 रुपये का नोट है।

तमिलनाडु में फी ब्रेकफास्ट स्कीम लॉन्च, अब 6 से 8 तक के छात्रों को भी मिलेगा नाश्ता

-सीएम विजय ने छात्रों को परोसा नाश्ता साथ बैठक कर खाया, खिले बच्चों के चेहरे

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय ने मंगलवार को चेन्नई में विस्तारित पेरुथलैवर कामराजर फ्री ब्रेकफास्ट स्कीम लॉन्च की। उन्होंने छात्रों को नाश्ता परोसा। उनके साथ बैठकर ब्रेकफास्ट भी किया। यह कार्यक्रम चेन्नई के तिरुवन्मियूर स्थित गांधी ग्रामम के सरकारी मिडिल स्कूल में हुआ। विजय ने स्कूली बच्चों से बातचीत की। पहले इस योजना का लाभ कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को मिलता था। अब कक्षा 6 से 8 तक के छात्र भी इसके दायरे में आ गए हैं। इससे राज्य के 15,454 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के करीब 15.30 लाख अतिरिक्त छात्रों को फायदा होगा।



विजय सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 में करोड़ रुपए अतिरिक्त मंजूर किए हैं। इसके योजना के विस्तार के लिए 217.63 साथ योजना का कुल बजट 724 करोड़

रुपए हो गया है। इस योजना का नाम पहले चीफ मिनिस्टर ब्रेकफास्ट स्कीम था। अब इसका नाम बदलकर पेरुथलैवर कामराजर फ्री ब्रेकफास्ट स्कीम कर दिया गया है। यह नाम तमिलनाडु के पूर्व सीएम के कामराज के सम्मान में रखा गया है। उन्होंने स्कूली शिक्षा की पहुंच बढ़ाने और राज्य की मिड-डे मील योजनाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई थी। योजना मंगलवार से पूरे राज्य में लागू हो गई। हालांकि, चेन्नलपट्टू और तिरुपूर जिलों में इसे अभी लागू नहीं किया गया है। वहां आगामी विधानसभा उपचुनावों के कारण इन दोनों जिलों में मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू है। इसी वजह से वहां योजना का क्रियाव्यवण टाल दिया गया है।

रिम्स अस्पताल में न्यूबॉर्न केयर यूनिट में लगी आग, 2 नवजात की मौत

- 28 बच्चों को सुरक्षित बचाया, सीएम ने जताया दुख जांच के लिए आदेश

आदिलाबाद, एजेंसी। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के रिम्स अस्पताल में सोमवार देर रात अस्पताल के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में अचानक आग लग गई। इस हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई है, जबकि वार्ड में 28 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने इस दुखद घटना की औपचारिक जांच के आदेश दिए हैं और अधिकारियों को आग लगने के कारण पर तुरंत रिपोर्ट सौंपने को कहा है। मीडिया रिपोर्ट में फायर अधिकारी के मुताबिक आग लगने की सूचना मिलते ही आपातकालीन कर्मियों ने तुरंत कार्यवाई की। मौके पर दमकल की गाड़ी भेजी गई और कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया। अगर समय पर रेस्क्यू नहीं चलाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल आग लगने के सही कारणों का



पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया जांच शुरू कर दी है। यह घटना अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर भी सवाल खड़े करती है, क्योंकि स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट जैसे संवेदनशील वाड में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। इस हादसे को लेकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के टी. रामा राव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए गहरा दुख जताया। उन्होंने लिखा हादसे से गहरा सदमा और दुख हुआ। इस हादसे में एक नवजात

की मौत हुई है और कई बच्चे प्रभावित हुए हैं। सभी बच्चों की सलामती के लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं। प्रशासन ने मृतक नवजात के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायल या प्रभावित बच्चों को बेहतर इलाज की बात कही है। साथ ही अस्पताल के फायर सेफ्टी सिस्टम की भी जांच के आदेश दिए गए हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। अस्पताल में स्थिति नियंत्रण में है और अन्य वार्डों में भर्ती मरीजों को सुरक्षित रखा गया है।

भारत के लिए पानी और सुरक्षा की नई चुनौती खड़ी कर रहा चीन

ब्रह्मपुत्र पर चीन बना रहा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

नई दिल्ली,, एजेंसी। चीन तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी की ऊपरी धारा, जिसे वहां यारलुंग त्सांपो कहा जाता है, पर करीब 60,000 मेगावाट क्षमता की मेडोग जलविद्युत परियोजना विकसित कर रहा है। परियोजना का आकार इसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत योजनाओं में शामिल करता है। भारत के लिए चिंता केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि नदी के बहाव, पर्यावरण और भूकंपीय सुरक्षा से जुड़े संभावित प्रभाव भी महत्वपूर्ण हैं। यही नदी अरुणाचल प्रदेश

और असम से होकर बांग्लादेश तक जाती है। रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने परियोजना को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक और पर्यावरणीय चिंताएं उठाने की जरूरत बताई है। उनके अनुसार, चीन के वैज्ञानिक अध्ययनों में परियोजना क्षेत्र के आसपास सक्रिय पाइज़ेन फॉल्ट का उल्लेख किया गया है। क्षेत्र की भौगोलिक संरचना को देखते हुए भूकंप, भूस्खलन और चट्टानों के विखसकने जैसे जोखिमों पर निगरानी जरूरी है।

तिब्बत का यह इलाका भूकंपीय गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। 2017 में निगची क्षेत्र में आए 6.9 तीव्रता के भूकंप ने भी इस क्षेत्र की भूकंपीय संवेदनशीलता को सामने रखा था। इतने बड़े जलाशय और बांध के निर्माण के कारण किसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में संभावित प्रभावों को लेकर भारत में चिंता है। भारत के लिए दूसरी बड़ी चुनौती ब्रह्मपुत्र के ऊपरी हिस्से में चीन की बढ़ती जल-नियंत्रण क्षमता है। नदी के बहाव में बड़े बदलाव का असर निचले

क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता, कृषि और पारिस्थितिकी पर पड़ सकता है। हालांकि परियोजना के वास्तविक प्रभाव का आकलन उसके संचालन और जल प्रबंधन की जानकारी के बिना करना कठिन है। इसी पृष्ठभूमि में भारत ने अरुणाचल प्रदेश की करीब 11,000 मेगावाट क्षमता वाली सियांग अपर मल्टीपर्पज परियोजना पर भी चर्चा तेज है। विशेषज्ञों ने उपग्रह, रडार और जलस्तर सेंसर के जरिए ऊपरी ब्रह्मपुत्र क्षेत्र की लगातार निगरानी तथा प्रभावी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत बताई है। आने वाले वर्षों में यह परियोजना भारत-चीन



संबंधों में जल सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़ा अहम मुद्दा बन सकती है।

संपादकीय

एसआईआर की विसंगतियां

देश में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से ही तमाम तरह के विवाद जुड़े रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आनन-फानन में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों से लेकर प्रभावित लोगों ने तमाम सवाल उठाये। फिर पश्चिम बंगाल में भी कई विवाद सामने आए। जब विवाद बढ़ा तो देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया। पश्चिम बंगाल में अभी मामला ठंडा पड़ा भी न था कि देश की नामचीन हस्तियों के वोट रिकॉर्ड में कथित विसंगतियों के चलते नोटिस दिये जाने के बाद विवाद नये सिरे से सामने आया है। जिन लोगों को चुनाव आयोग के अधिकारियों की तरफ से नोटिस भेजे गए हैं, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। सबसे अजीब बात तो यह है कि चुनाव आयुक्त एस.एस.संघू को भी इस प्रक्रिया के तहत नोटिस भेजा गया है। जबकि इस प्रक्रिया को खुद भारतीय निर्वाचन आयोग चला रहा है। जब एसआईआर की जटिल प्रक्रिया की कसौटी पर देश के जागरूक व दिग्गज नेता ही खरे नहीं उतर रहे हैं तो आम आदमी की क्या बिसात? ऐसे में सामान्य लोगों को अपनी दावेदारी के लिये कागजात जुटाने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा होगा, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। यह प्रक्रिया कितनी जटिल हो चली है, वह इस बात से पता चलता है कि मात्र दिल्ली में ही 33 लाख से ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। ये नोटिस विशेष रूप से उन मामलों में जारी किए गए हैं जहां वोटरों को वर्ष 2002 के गहन संशोधन से नहीं जोड़ा जा सका है। दरअसल, एसआईआर प्रक्रिया में 2002 के गहन संशोधन से जोड़ने का प्रावधान बाद में शामिल किया गया। इस व्यवधान की वजह यह है कि नौकरी व शहर बदलने वाले बहुत सारे लोग दो दशक से अधिक समय का पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं रख पाते।

हालांकि, नया विवाद सामने आने के बाद चुनाव आयोग और दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इस बात पर बल दिया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि वोट काटा जायेगा। आश्वासन दिया जा रहा है कि वोटरों को दस्तावेज जमा करने और जवाब देने का पर्याप्त मौका दिया जाएगा। साथ यह भी कि अंतिम फैसला उचित प्रक्रिया के प्रावधानों के तहत ही लिया जायेगा। निश्चित रूप से यह सुरक्षा आश्वासन बेहद जरूरी है क्योंकि प्रक्रिया में शामिल न हो सकने वाले वोटर तमाम तरह की आशंकाओं से जूझ रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि वोटर लिस्ट को समय-समय पर अपडेट किया ही जाना चाहिए। जिससे वोटरों के दोहराव, अयोग्य व मृत वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकें। लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रह जाये। निस्संदेह, ये दोनों ही मकसद समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, दिवंगत अर्थशास्त्री बिबेक देवराॉय का नाम उन लोगों की सूची में आना, जिनका डेटा पिछले एसआईआर से जुड़ नहीं पाया था, यह दिखाता है कि डेटाबेस आधारित प्रक्रियाओं में कितनी विसंगतियां हो सकती हैं। इस तरह पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सामने आई जटिलताएं व्यवस्था की विसंगतियों का सटीक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, हो सकता है कि वे एक दशक से अधिक समय तक वोट न दे पाएं। ऐसे मामलों के निपटारे की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाए गए अपीलीय ट्रिब्यूनल को उनकी अपीलों पर फैसला लेने में बारह साल से अधिक का समय लग सकता है। इससे पूरे देश के लिये यह सीख मिलती है कि हर योग्य वोटर को, अब चाहे वह विशिष्ट व्यक्ति हो या आम नागरिक- वोटर लिस्ट में बने रहने का उचित अवसर मिलना चाहिए। इस पूरी कवायद की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये एक पारदर्शी और समीक्षा योग्य प्रक्रिया की जरूरत है।

आवश्यकता है

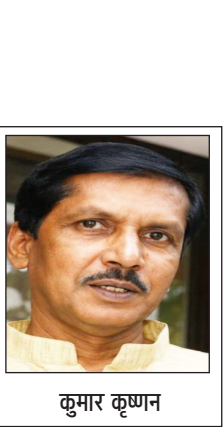
आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या क्हाट्सएप्प करें।

9456884327/8218179552



कातिलाल मांडोट

डिजिटल सुविधा ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसी सुविधा के साथ साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, इंटरनेट खरीदारी और ऑनलाइन निवेश ने लेन-देन को सरल किया है तो दूसरी ओर साइबर अपराधियों की भी दूर बैठे लोगों तक पहुंचने का रास्ता दिया है। संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 30 अगस्त 2019 से 28 नवंबर 2024 तक 53.93 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं और इनसे करीब 31,594 करोड़ रुपए की ठगी की राशि जुड़ी थी। वित्तीय साइबर अपराध इन शिकायतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा थे। शिकायतों की बढ़ती संख्या बताती है कि खतरा कितना बढ़ा है। लेकिन शिकायत, प्राथमिकी और वास्तविक अपराध के आंकड़ों को एक ही मानना उचित नहीं होगा। साइबर अपराध में कई शिकायतें जांच के अलग-अलग चरणों से गुजरती हैं और प्राथमिकी दर्ज होने की प्रक्रिया अपराध की प्रकृति तथा उपलब्ध साक्ष्यों पर निर्भर करती है। फिर भी शिकायतों की विशाल संख्या यह स्पष्ट करती है कि नागरिकों को जागरूक करने और पुलिस की साइबर जांच क्षमता बढ़ाने की जरूरत लगातार बढ़ रही है।



कुमार कृष्ण

जमुई से सामने आया एक वीडियो बिहार में सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर कई अहमज सवाल छोड़ गया है। वीडियो में एक नाबालिग लड़की और एक नाबालिग लड़के को कुछ लोग घेरते दिखाई देते हैं। लड़की उन्हें छोड़ देने की गुहार लगाती नजर आती है। लड़का अपने और लड़की के बारे में सफाई देता दिखाई देता है। वीडियो के दूसरे हिस्से में दोनों को रोकने, लड़के के साथ मारपीट करने और लड़की के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने के दृश्य दिखाई देते हैं। वीडियो की पूरी परिस्थितियों और उसमें दिखाई देने वाले प्रत्येक

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलॉच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना ने 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटब्रेस्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विक्षेपण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलों दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और

साइबर ठगी का सबसे बड़ा हथियार तकनीक से ज्यादा इंसान का भरोसा और जल्दबाजी है। अपराधी कभी बैंक कर्मचारी बनकर, कभी पुलिस अधिकारी बनकर, कभी निवेश सलाहकार बनकर और कभी नौकरी या किसी सरकारी योजना के नाम पर संपर्क करते हैं। वे पहले विश्वास पैदा करते हैं और उसके बाद व्यक्ति से ऐसी जानकारी या भुगतान हासिल करने की कोशिश करते हैं जिससे उसके खाते से पैसा निकाला जा सके। निवेश के नाम पर होने वाली ठगी इसका बड़ा उदाहरण है। कोटा में सामने आए कॉल सेंटर मामले में पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट के माध्यम से निवेशकों को बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाया और उनसे अधिक रकम लगाने के लिए प्रेरित किया। ऐसे मामलों में फर्जी लाभ दिखाकर भरोसा पैदा किया जाता है और जब पॉइंट बड़ी रकम लगा देता है तो संपर्क समाप्त कर दिया जाता है।

यहां ग्राहक की सावधानी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश करना, संदिग्ध वेबसाइट पर भरोसा करना, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करना या किसी संदेश में दिए लिंक को बिना जांचे खोलना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। सरकार और बैंक समय-समय पर चेतावनियां जारी करते हैं, लेकिन केवल चेतावनी जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी उन चेतावनियों को गंभीरता से पढ़ना और व्यवहार में उतारना होगा। किसी भी व्यक्ति को अपना पारवर्ड, पिन, एक बार इस्तेमाल होने वाला सत्यापन कोड या बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं देनी चाहिए। अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई आवेदन डाउनलोड नहीं करना चाहिए। निवेश से संबंधित प्रस्ताव मिलने पर संबंधित संस्था की आधिकारिक वेबसाइट से उसकी पुष्टि करनी चाहिए। बहुत कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का दावा अपने आप में सावधानी बरतने का संकेत है।

बारह बजे के वादे से शाम की सड़क तक

व्यक्ति को कानूनी जिम्मेदारी का अंतिम निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही होगा। पुलिस के अनुसार घटना 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे जमुई में हुई। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों नाबालिगों तक पहुंचकर उनके बयान दर्ज किए और प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस की ओर से तीन गिरफ्तारियों की जानकारी दी गई है। सोमवार को बिहार के एंटीजी कानून-व्यवस्था के.एस. अनुपम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों नाबालिग हैं और उनमें दो की उम्र 17 से 18 वर्ष के बीच बताई गई है। उनके अनुसार जमुई थाने में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 128, 74 और 75 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया है, जिसकी निगरानी जमुई के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कर रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई के साथ एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है। घटना का वीडियो जिस तरह सामाजिक माध्यमों पर फैला, उसके बाद पुलिस ने वीडियो प्रसारित करने वाले खातों पर भी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने कई फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स खातों को हटाने के लिए चिह्नित किए जाने की जानकारी दी है। नाबालिगों से संबंधित वीडियो को

सरकारी साइबर सुरक्षा सलाह में भी संदिग्ध निवेश प्रस्तावों, फर्जी वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाले निवेश संदेशों से सावधान रहने को कहा गया है। साइबर अपराध को रोकने की जिम्मेदारी केवल नागरिकों की नहीं है। सरकार, पुलिस, बैंक, दूरसंचार कंपनियों और डिजिटल भुगतान संस्थाओं को भी अपनी-अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभानी होगी। साइबर अपराध में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। ठगी के तुरंत बाद सूचना मिलने पर संबंधित वित्तीय संस्थाओं तक जानकारी पहुंचाकर रकम को रोकने की संभावना बढ़ सकती है। भारत सरकार का ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है और वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के लिए 1930 हेल्पलाइन उपलब्ध है। पोर्टल पर शिकायत करते समय घटना की सही और पूरी जानकारी तथा उपलब्ध साक्ष्य देना महत्वपूर्ण बताया गया है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन वित्तीय ठगी हो जाए तो उसे शर्मा या डर के कारण चुप नहीं बैठना चाहिए। तुरंत 1930 पर सूचना देनी चाहिए और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत करनी चाहिए। बैंक या संबंधित भुगतान संस्था को भी तत्काल सूचित करना चाहिए। लेन-देन का विवरण, संदेश, मोबाइल नंबर, वेबसाइट का पता, भुगतान की रसीद और अन्य उपलब्ध प्रमाण सुरक्षित रखने चाहिए। आधिकारिक व्यवस्था के अनुसार शिकायत के बाद उसे आगे दर्ज और ट्रैक भी किया जा सकता है। सरकार की जवाबदेही का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा पुलिस की क्षमता बढ़ाना है। साइबर अपराध की जांच सामान्य अपराधों से अलग तकनीकी विशेषज्ञता मांगती है। पुलिस बल के शुरुआती प्रशिक्षण में साइबर सुरक्षा को पर्याप्त महत्व मिलना चाहिए। राज्यों की साइबर इकाइयों को प्रशिक्षित अधिकारी, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है।

अलग-अलग राज्यों में बैठे अपराधियों के नेटवर्क को पकड़ने के लिए पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच तेज सूचना आदान-प्रदान भी आवश्यक है। साइबर अपराध की शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई और प्राथमिकी के संबंध में स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। शिकायतकर्ता को यह पता होना चाहिए कि उसकी शिकायत किस अधिकारी के पास है और उसकी स्थिति क्या है। राष्ट्रीय पोर्टल पर शिकायत की स्थिति देखने की सुविधा उपलब्ध है तथा उचित प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर संबंधित राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के नोडल अधिकारी से संपर्क की व्यवस्था भी है। साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए केवल एक-दो आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। जिस व्यक्ति ने फोन किया, जिस खाते में पैसा गया, जिसने फर्जी वेबसाइट बनाई और जिसने लोगों का आंकड़ा उपलब्ध कराया, इन सभी कड़ियों की जांच जरूरी है। इसी से अपराध की पूरी शृंखला सामने आएगी। अंततः साइबर सुरक्षा सरकार और जनता की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को मजबूत शिकायत व्यवस्था, प्रशिक्षित पुलिस, त्वरित वित्तीय कार्रवाई और लगातार जनजागरूकता सुनिश्चित करनी होगी। नागरिकों को भी यह समझना होगा कि मोबाइल पर आया हर संदेश सच नहीं होता और फोन करने वाला हर व्यक्ति वही नहीं होता जिसका वह परचय देता है। डिजिटल दुनिया में सबसे मजबूत सुरक्षा सावधानी है। लालच में जल्दबाजी नहीं, डर में कोई भुगतान नहीं, अनजान व्यक्ति को गोपनीय जानकारी नहीं और संदिग्ध लिंक पर बिना जांचे भरोसा नहीं। यदि ठगी हो भी जाए तो चुपी नहीं, तत्काल शिकायत जरूरी है। समय पर की गई सूचना कभी-कभी रकम बचाने के साथ-साथ पूरे साइबर गिरोह तक पुलिस को पहुंचाने में मदद कर सकती है। यही जामरूकता साइबर अपराध के बढ़ते जाल को कमजोर करने का सबसे व्यावहारिक रास्ता है।

कानून लागू करने का अधिकार नहीं देती। किसी शिकायत या संदेह की स्थिति में पुलिस और कानूनी प्रक्रिया का रास्ता मौजूद है। सड़क पर किसी को घेरना, रोकना, धमकाना या बलपूर्वक व्यवहार करना अपने आप में अलग कानूनी प्रश्न खड़े कर सकता है। उन प्रश्नों का उत्तर उपलब्ध साक्ष्यों और कानून के आधार पर जांच में ही दिया जा सकता है। किसी वीडियो के आधार पर तत्काल सामाजिक फैसला सुनाना भी न्याय नहीं है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब भीड़ अपने अनुमान को तथ्य, अपनी नाराजगी को न्याय और अपनी सामाजिक मान्यता को कानून मानने लगती है। लोकतंत्र में कानून की जगह भीड़ का विवेक लेने लगे तो सबसे पहले नागरिक की स्वतंत्रता और गरिमा कमजोर होती है। आज किसी लड़की और लड़के को देखकर भीड़ फैसला सुनाएगी, कल किसी और नागरिक को किसी दूसरे कारण से घेरा जा सकता है। ह्रासंस्कृतिह्र्म के नाम पर निजी जिंदगी की निगरानी भी इसी मानसिकता का हिस्सा बन सकती है। समाज की अपनी मान्यताएं हो सकती हैं, लेकिन किसी लड़की या लड़के के चरित्र, संबंध या निजी जीवन का फैसला सड़क पर खड़ी भीड़ नहीं कर सकती। सामाजिक मान्यता का हवाला कानून से ऊपर नहीं हो सकता।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने



पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास को परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।

भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना बढ़ाकर जिला

मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियां तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बाघ पूरे बचाव अभियान को दिशा तय कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरूआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन

और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका को और ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदुकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेतावा है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अंकुरण कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बने।

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है- प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ पर कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी किमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी-वे हमारी विकास-दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गजरौला में दो युवकों को लेकर पहुंची लखनऊ एटीएस की टीम, कई इलाकों में घंटों तक की छानबीन,पाकिस्तानी हैंडलर जुड़ा मामला



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):— जनपद के गजरौला में लखनऊ एटीएस की टीम अपने साथ जेल में बंद दो युवकों को लेकर पहुंची। जिसने दोनों कैदियों की निशानदेही के आधार पर इलाके के कई स्थानों पर घंटों तक छानबीन की। बताया जा रहा है कि यह मामला पाकिस्तान हैंडलर से जुड़ा हुआ है। साथ ही बताया गया है कि यह दोनों भी पाकिस्तानी हैंडलर शहजाद भट्टी के गुर्गे दनियाल अशरफ से जुड़े हुए हैं। उधर एटीएस की टीम ने इलाके में घंटों तक छानबीन की और देर शाम वापस लौट गए। बता दें कि लखनऊ एटीएस की टीम अमरोहा के



है। जानकारी के अनुसार, 5 मई की रात एटीएस ने बाराबंकी के बदीसराय क्षेत्र के किंतूर गांव में छापा मारकर दनियाल अशरफ को गिरफ्तार किया था। इसके बाद मामले की जांच आगे बढ़ाते हुए एटीएस ने उसके संपर्क में रहे लोगों के बारे में जानकारी जुटाई। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान गजरौला निवासी रवि और शोएब के दनियाल अशरफ के संपर्क में होने की जानकारी सामने आई। एटीएस ने दोनों की गतिविधियों और पुराने मामलों की जानकारी जुटाई तो पता चला कि कुछ समय पहले दिल्ली पुलिस ने एक मामले में दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद लखनऊ एटीएस ने

दोनों को अपने केस में शामिल कर रिमांड पर लिया और पूछताछ शुरू कर दी। इसी पूछताछ के आधार पर सोमवार को टीम दोनों को लेकर गजरौला पहुंची थी। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे लखनऊ एटीएस की तीन टीमों गजरौला पहुंचीं। 115 सदस्यीय टीम की कमान एटीएस सीओ प्रीति त्रिपाठी ने संभाली। एक टीम ने लक्ष्मी नगर में छानबीन की, जबकि दो अन्य टीमों ने मोहरका पट्टी और पपसरा खादर में पहुंचकर जांच की। पहले भी एटीएस आतंकी गतिविधियों को लेकर अमरोहा में कई बार छापेमारी कर चुकी है।

बरेली-मुरादाबाद शिक्षक एमएलसी का चुनाव कार्यक्रम जारी, 23 अक्टूबर को मतदान

अमरोहा (सब का सपना):— उत्तर प्रदेश विधान परिषद के बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मौजूदा सदस्य श्री हरि सिंह ढिल्लो जी का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को समाप्त होने से यह सीट रिक्त हो रही है। जिलाधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. नितिन गौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिसूचना 29 सितंबर 2026 को जारी की जाएगी। नाम निर्देशन दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर, नाम निर्देशनों की संवीक्षा 7 अक्टूबर और नाम वापसी की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर तक की गई है। मतदान सुक्रवार 23 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। वोटों की गिनती 27 अक्टूबर को होगी और पूरी निर्वाचन प्रक्रिया 31 अक्टूबर से पहले पूरी कर ली जाएगी। उक्त विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण, गंगा एवं पर्यावरण समितियों की संयुक्त बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):— जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति, अमरोहा की संयुक्त बैठक मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में विगत वर्षों में कराए गए वृक्षारोपण के अनुसंधान एवं संरक्षण, ग्रीन चोपला, गंगा एवं जलस्रोतों की स्वच्छता, ड्रेनों एवं अपशिष्ट जल के समुचित प्रबंधन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने निर्देश दिए कि गंगा नदी के किनारे स्थित क्षेत्रों में प्राकृतिक एवं जैविक (ऑर्गेनिक) खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लाभों की जानकारी



उपलब्ध कराते हुए प्रोत्साहन कार्यक्रम संचालित किए जाएं तथा अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ा जाए। संबंधित विभाग किसानों को आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हुए इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने निर्देशित किया कि बैठक एवं क्षेत्रीय निरीक्षण के दौरान प्राप्त सुझावों एवं अपेक्षाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया

जाए। संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि दिए गए निर्देशों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई हो तथा की गई कार्रवाई की प्रगति से समय-समय पर अवगत कराया जाए। वृक्षारोपण की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि केवल पौधरोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण एवं अनुसंधान भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश

दिए कि विगत वर्षों में लगाए गए जिन पौधों के सूख जाने अथवा नष्ट हो जाने की स्थिति सामने आई है, उनके स्थान पर नए पौधे लगाए जाएं। साथ ही नए पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं नियमित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पौधों की जीवितता दर बेहतर हो और वृक्षारोपण का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके। बैठक में प्राकृतिक एवं जैविक खेती, जल संरक्षण, गंगा स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों में जनभागीदारी बढ़ाने तथा विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नोडल अधिकारी ने पशुपालकों से की वार्ता, खुरपका-मुहंपका टीकाकरण व गौशाला का निरीक्षण



अमरोहा (सब का सपना):— जनपद में शासन स्तर से नामित नोडल अधिकारी प्रकाश बिन्दु, प्रबन्ध निदेशक पीसीडीएफ ने विकास खण्ड गजरौला के ग्राम शाहपुर बुजुर्ग, खेडकी खादर आदि में पशुपालकों के मध्य जाकर वार्ता की। उन्होंने खुरपका-मुहंपका टीकाकरण का सत्यापन किया तथा लम्पी त्वचा रोग से बचाव की

जानकारी पशुपालन विभाग द्वारा समय से उपलब्ध कराई गई अथवा नहीं, इसकी भी जानकारी ग्रामवासियों से ली। वार्ता के दौरान उन्होंने संतोष व्यक्त किया। नोडल अधिकारी ने कान्हा गौशाला गजरौला का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि संरक्षित गौवंश के भरण-पोषण हेतु मानक अनुरूप भूसा, हरा चारा एवं संकेन्द्रित आहार की पर्याप्त



उपलब्धता बनाए रखी जाए तथा गौ आश्रय स्थलों पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। गौशाला के अभिलेखों का अवलोकन करते हुए पशु चिकित्सा अधिकारी गजरौला को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से संरक्षित गौवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए एवं बीमार गौवंशों को तत्काल चिकित्सा उपलब्ध कराई

जाए। इस दौरान निरीक्षण में डा० जगदीश प्रसाद अपर निदेशक ग्रेड-2 पशुपालन विभाग मुरादाबाद मण्डल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा० आभा दत्त, पशु चिकित्सा अधिकारी डा० अनुल कुमार गजरौला, डा० विजेन्द्र सिंह पशु चिकित्सा अधिकारी नरेंद्रा तथा कावेन्द्र कुमार पशुधन प्रसार अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

धनौरा में लेखपालों ने लौटाए अतिरिक्त क्षेत्रों के बस्ते,कहा जब तक मांगे पूरी नहीं होती तब तक काम काज रहेगा बंद

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):— जनपद के मंडी धनौरा में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के सदस्यों ने उनकी मांगे पूरी न होने पर अपने अतिरिक्त राजस्व क्षेत्र के सरकारी बस्ते रजिस्ट्रार कानूनगो को सौंप दिए हैं और कहा है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं की जाती तब तक वे सभी अपना कामकाज बंद रखेंगे। इस मामले में सभी लेखपालों ने एकत्रित होकर तहसील परिसर में अपनी समस्याओं को लेकर बेहद नाराजगी जताई। बता दें कि उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देश पर तहसील के लेखपालों ने अपने अतिरिक्त राजस्व क्षेत्रों के सरकारी बस्ते रजिस्ट्रार कानूनगो (आरके) कार्यालय में जमा कर दिए हैं। लेखपालों का कहना है कि जब तक उनकी लॉबित मांगें पूरी नहीं होतीं



और अतिरिक्त काम के नाम पर उन पर बेवजह दबाव बनाना बंद नहीं होता, तब तक वे अतिरिक्त क्षेत्रों का काम बंद रखेंगे। तहसील परिसर में एकट्ठा होकर लेखपालों ने अपनी समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई। इसके बाद एकजुट होकर अतिरिक्त हल्कों (क्षेत्रों) के सरकारी रिकॉर्ड और बस्ते आरके कार्यालय

में जमा करा दिए। बस्ते जमा करने वाले लेखपालों का कहना है कि एक-एक लेखपाल को कई-कई हल्कों की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे काम का भारी दबाव बढ़ रहा है और समय पर राजस्व के काम पूरे करने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। अतिरिक्त प्रभार के बस्ते जमा करने वाले लेखपालों में विकास

यादव, मोहित चौधरी, दिनेश कुमार, अनुज, उपेंद्र, सचिन, तारेश सिंह, लक्ष्मण सिंह, सुमित यादव, दिनेश यादव, योगेश सिंह, रमेश सैनी, चंद्रशेखर सिंह और विशाल सिंह रहे। लेखपाल संघ धनौरा के अध्यक्ष विकास यादव ने साफ किया कि वे केवल अपने मूल क्षेत्र का ही काम संभालेंगे। अतिरिक्त क्षेत्रों का काम पूरी तरह बंद रहेगा, जब तक प्रांतीय नेतृत्व की ओर से अगला निर्देश नहीं मिलता। लेखपालों के इस कदम से तहसील क्षेत्र में आय, जाति, निवास प्रमाण पत्रों के सत्यापन, खतौनी राजस्व और अन्य पैमाइश संबंधी राजस्व कामों पर असर पड़ने की आशंका है। आम जनता को अपने कामों के लिए तहसील के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

जनपदस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 2026 में गजरौला व धनौरा की टीमों ने मारी बाजी



अमरोहा (सब का सपना):— जनपद की कैलसा रोड स्थित एक अकादमी में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में गजरौला एवं धनौरा की टीमों ने बाजी मार कर खिताब हासिल किया है। जनपदीयस्तर पर हुई इस 28वीं कबड्डी प्रतियोगिता 2026 में सभी संकुलों की टीमों ने उत्साह से भागीदारी करते हुए अपने खेलों की प्रतिभा और शौर्य को प्रदर्शित किया। बता दें कि अमरोहा के कैलसा रोड स्थित जीपीएस एकेडमी भजनपुरी में 28वीं जनपदीय कबड्डी प्रतियोगिता 2026 की शुरुआत हुई। इस प्रतियोगिता का

उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा और राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा के प्रधानाचार्य निशांत यादव ने दीप जलाकर किया। इसमें जनपद के सभी संकुलों की टीमों ने उत्साह से हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा दिखाई। मंगलवार दोपहर दो बजे तक चले रोमांचक मैचों के बाद नतीजे घोषित किए गए। सीनियर बालिका वर्ग के फाइनल में संकुल गजरौला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। इसमें संकुल धनौरा दूसरे स्थान पर रहा। जूनियर बालिका वर्ग में नारागपुर संकुल ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता



ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि संकुल अमरोहा दूसरे स्थान पर रहा। सब-जूनियर बालिका वर्ग के फाइनल में संकुल धनौरा की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर पहला स्थान हासिल किया। संकुल बादशाहपुर इस वर्ग में उपविजेता रहा। खिलाड़ियों के प्रदर्शन को परखने के लिए दीपा देवल, सविता, वीर सिंह और अनुज शर्मा चयनकर्ता के तौर पर मौजूद रहे। मैच के निष्पक्ष कराने के लिए मनेंद्र यादव, गौरव शर्मा, सुमित यादव, राजदीप सिरौती, मनोष त्यागी, लोकेश चौधरी, शिवकुमार, राजबीर सिंह, शिवम त्रिपाठी और मोहम्मद

शाह आलम ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खेल से शारीरिक विकास के साथ-साथ अनुशासन और टीम भावना भी सीखने को मिलती है। इस मौके पर जिला खेल सचिव विजय सिंह, क्रीड़ा प्रभारी सुरेंद्र सिंह और जीपीएस एकेडमी के प्रधानाचार्य समेत कई खास लोग, शिक्षक और खेल प्रेमी मौजूद रहे। आखिर में विजेताओं को सम्मानित कर कार्यक्रम खत्म हुआ।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):— जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर जिला जनगणना अधिकारी गरिमा सिंह की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त समीक्षा बैठक में जिले के समस्त एसडीएम, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी और शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती गरिमा सिंह ने अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि जनगणना के लिए प्रणालिक और पर्ववैशिक शिक्षक की



चयन हेतु जिले के समस्त विभागों से कर्मचारी लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रत्येक तहसीलदार

चर्चा की और आवश्यकता अनुसार उनका निर्देश दिए। भारत की जनगणना 2027 उत्तर प्रदेश में 1 दिसंबर 2026 से प्रारंभ होकर 4 जनवरी 2027 तक एवं रविजनल राउंड 5 जनवरी से 9 जनवरी 2027 के मध्य संपन्न किया जाएगा। बेघर परिवारों की गणना 4 जनवरी 2027 की मध्य रात्रि को किया जाएगा। पूर्व की तरह इस बार भी स्वगणना का कार्य 16 नवंबर से 30 नवंबर के मध्य किया जाएगा जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी गणना स्वयं कर सकता है।

जिला विद्यालय यान सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में छात्र-छात्राओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश



अमरोहा (सब का सपना):— मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विद्यालय यान सड़क सुरक्षा समिति की बैठक अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह की उपस्थिति में आयोजित की गयी। बैठक में विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के सुरक्षित आवागमन तथा स्कूली वाहनों के संचालन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में आने-



जाने वाले छात्र-छात्राओं के आवागमन के साधनों का विद्यालयवार पूर्ण विवरण तैयार कर उसका अभिलेख सुरक्षित रखा जाए। छात्र-छात्राएं बस, ई-रिक्शा अथवा अन्य किसी वाहन से विद्यालय आते-जाते हैं तो संबंधित वाहन एवं चालक का विवरण भी विद्यालय स्तर पर दर्ज किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अभिभावकों से भी प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जाए, जिसमें उनके बच्चे के विद्यालय आने-जाने के माध्यम एवं वाहन का विवरण अंकित हो। विद्यालय प्रबंधन द्वारा



इन अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि छात्र-छात्राओं के आवागमन में सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन हो। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्कूली वाहनों की नियमित जांच कराई जाए तथा वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों, फिटनेस, परमिट, चालक के आवश्यक अभिलेख एवं अन्य अनिवार्य व्यवस्थाओं की जांच सुनिश्चित की जाए। नियमों का उल्लंघन

पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालय आने वाले प्रत्येक छात्र-छात्रा की सुरक्षित यात्रा विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों एवं संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

केनरा बैंक एजीएम ने आरसेटी का किया निरीक्षण, प्रशिक्षणार्थियों से किया संवाद

महिला दर्जी व कंप्यूटर प्रशिक्षण बैच का लिया जायजा, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए किया प्रेरित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक के एजीएम मलय नीरव ने मंगलवार को केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई का भ्रमण किया। इस दौरान उनके साथ एलडीएम संभल ललित विजय राय भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने संस्थान में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का जायजा लेते हुए प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया। भ्रमण के दौरान एजीएम मलय नीरव ने संस्थान में चल रहे महिला दर्जी प्रशिक्षण बैच और कंप्यूटर प्रशिक्षण बैच का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के दौरान हासिल की जा रही जानकारी, उनके अनुभव और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने महिला प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण पूरी लगन से प्राप्त



कर इसका उपयोग स्वरोजगार शुरू करने में करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं और युवा अपने हुनर को रोजगार का माध्यम बना सकते हैं। इससे उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। वहीं, कंप्यूटर प्रशिक्षणार्थियों से संवाद करते हुए

उन्होंने प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने और प्राप्त तकनीकी ज्ञान को भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आरसेटी निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने एजीएम मलय नीरव एवं एलडीएम ललित विजय राय का स्वागत किया। उन्होंने अधिकारियों को संस्थान में

संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। साथ ही आगामी प्रशिक्षण योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। एजीएम मलय नीरव और एलडीएम ललित विजय राय ने ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए आरसेटी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के बाद अपने हुनर का उपयोग रोजगार और स्वरोजगार के क्षेत्र में करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान मानसी शर्मा, मयंक वाण्येय (डीएसटी कंप्यूटर डेस्कटॉप पब्लिशिंग), रूबी चौधरी (डीएसटी महिला दर्जी), सुजीत सिंह, विशेष और रनवीर सिंह सहित आरसेटी के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जनपद में उर्वरक की कमी नहीं, किसानों को निर्धारित मूल्य पर मिले खाद:- डीएम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उर्वरक की उपलब्धता, वितरण, प्रवर्तन एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा, सहकारिता विभाग के अधिकारी, उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधि, थोक एवं निजी विक्रेता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिला कृषि अधिकारी ने रबी 2026 की फसलों को देखते हुए जनपद में उर्वरक की उपलब्धता की जानकारी दी। बताया गया कि वर्तमान में 24,771.55 मीट्रिक टन यूरिया, 7,855.73 मीट्रिक टन डीएपी और 19,582.83 मीट्रिक टन एनपीके, कुल 55,330.33 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। अधिकारियों के अनुसार जनपद में किसी भी प्रकार के उर्वरक की कमी नहीं है। जिलाधिकारी ने उर्वरक की टैरिंग



व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निदेश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की टैरिंग के लिए बाध्य न किया जाए। किसानों को निर्धारित मूल्य पर समय से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। अनियमितता या शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि पिछले वर्ष की तुलना में यूरिया की बिक्री में करीब 7 प्रतिशत और एनपीके की बिक्री में 14 प्रतिशत कमी, जबकि डीएपी की बिक्री में करीब 14

प्रतिशत वृद्धि हुई है। डीएम ने किसानों को मुदा स्वास्थ्य और फसल की आवश्यकता के अनुसार संतुलित उर्वरक के प्रयोग के लिए जागरूक करने को कहा। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि कुछ किसान आलू की फसल में अत्यधिक मात्रा में फास्फेटिक उर्वरक का प्रयोग कर रहे हैं। इस पर डीएम ने कृषक गोष्ठियों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से संतुलित उर्वरक प्रयोग के लिए किसानों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला उद्यान

अधिकारी को करीब 5,000 हेक्टेयर भूमि में अग्रिम आलू उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने को कहा। डीएम ने अत्यधिक मात्रा में उर्वरक खरीदने वाले किसानों की जांच करने और सभी सहकारी समितियों पर रबी सीजन के लिए पर्याप्त फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। इफको प्रतिनिधि ने कुछ केंद्रों पर करीब 20 दिनों से फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध न होने की जानकारी दी। इस पर जिलाधिकारी ने शासनादेश के अनुरूप उर्वरक आवंटन के लिए पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को उर्वरक के स्टॉक, बिक्री, वितरण और उपलब्धता की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कालाबाजारी, अनियमितता या किसानों को अनावश्यक परेशान करने की शिकायत मिलने पर जिम्मेदारी तय कर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ बार का बड़ा फैसला: कचहरी परिसर में भाजपा नेताओं के प्रवेश पर लगाई रोक, कल 22 जिलों में काम नहीं करेंगे अधिवक्ता

मेरठ। पश्चिम में हाई कोर्ट बेंच की मांग को मुख्यमंत्री द्वारा सुप्रीम कोर्ट का अधिकार क्षेत्र बताते हुए प्रदेश सरकार का कोई योगदान न होने के बयान से नाराज मेरठ बार एसोसिएशन ने मंगलवार को आम सभा में मुख्यमंत्री और भाजपा जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की निंदा की। उनके कचहरी परिसर में प्रवेश को निषेध करने तथा कचहरी परिसर में इसके बैनर पोस्टर लगाने का निर्णय लिया। एमपी, एमएलए कोर्ट में भी अधिवक्ता उनके मामलों की पैरवी नहीं करेंगे। बुधवार को पश्चिम उत्तर प्रदेश के सभी 22 जनपदों में कार्य न करने की घोषणा की गई। आम सभा में तय किया गया कि जल्द केन्द्रीय संघर्ष समिति की बैठक करके आंदोलन को उग्र रूप देने की रणनीति निर्धारित की जाएगी। मेरठ बार एसोसिएशन ने मंगलवार को आम सभा का आयोजन किया। आम सभा के बाद मेरठ बार एसोसिएशन के



अध्यक्ष तथा पश्चिम उत्तर प्रदेश हाई कोर्ट बेंच केन्द्रीय संघर्ष समिति के चेयरमैन अनुज शर्मा और संयोजक परवेज आलम ने संयुक्त रूप से बताया कि कई घंटे चली मैराथन बैठक में अधिवक्ताओं को मुख्यमंत्री से हुई वार्ता और उनके जवाब की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आम सभा में सर्वसम्मति से तय किया गया कि मुख्यमंत्री के जवाब तथा इस दौरान मौजूद सांसद अरुण गोविल, राज्यसभा सदस्य लक्ष्मीकांत बाजपेयी, राज्यमंत्री सोमेश तोषार, कैट

विधायक लक्ष्मीकांत बाजपेयी, महानगर अध्यक्ष निवेक रस्तोगी को चुपपी पर उनकी निंदा की गई। तय किया गया पूरे कचहरी परिसर में बेंच नहीं तो वोट नहीं के बैनर पोस्टर लगाकर भाजपा जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों का कचहरी में प्रवेश निषेध की सूचना दर्ज की जाएगी। एमपी, एमएलए कोर्ट में भी उनकी पैरवी न करने की घोषणा की गई। दोनों पदाधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के जवाब के विरोध में पश्चिम के सभी 22 जनपदों में

अधिवक्ता बुधवार 23 सितंबर को काम नहीं करेंगे। आगे उग्र आंदोलन की रणनीति तैयार करने के लिए जल्द हाई कोर्ट बेंच स्थापना केन्द्रीय संघर्ष समिति की बैठक बुलाई जाएगी। जिसमें सभी 22 जनपदों के बार पदाधिकारी शामिल होंगे। आम सभा में पूर्व अध्यक्ष अजय त्यागी, अनिल बख्शी, गजेंद्र सिंह धामा, संजय गुप्ता, अशोक शर्मा, संजय शर्मा अधिवक्ताओं ने अपने सुझाव रखे। लक्ष्मीकांत बाजपेयी से वापस लिया बेंच की पैरवी का वकालतनामा दोनों पदाधिकारियों ने बताया कि बेंच स्थापना की मांग की पैरवी के लिए केन्द्रीय संघर्ष समिति ने राज्यसभा सदस्य लक्ष्मीकांत बाजपेयी को वकालतनामा दिया था। आम सभा में सर्वसम्मति से उसे भी वापस लेने की घोषणा की गई। बताया कि मेरठ बार एसोसिएशन में भाजपा के पदाधिकारी भी सदस्य हैं। इन सभी की बार से सदस्यता को भी जल्द समाप्त किया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति संकल्प यात्रा को एक्सप्रेसवे पर रोका, प्रयागराज से हुई थी शुरू

मथुरा। प्रयागराज से मथुरा के लिए निकाली गई श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति संकल्प यात्रा को प्रशासन ने मंगलवार को दोपहर यमुना एक्सप्रेसवे राया कट पर रोक दिया। इसे लेकर सीता रसोई के महांत हरि नारायण दास की पुलिस-प्रशासन से नोकझोंक हुई। उच्चाधिकारियों से वार्ता के बाद पुलिस प्रशासन ने अपनी निगरानी में यात्रा को मथुरा के लिए रवाना किया। पुलिस की मौजूदगी में यात्रा राधाकुंड पहुंची और फिर देर शाम श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंची और दर्शन किए। रात्रि में केडीएस स्कूल में विश्राम किया। बुधवार सुबह यात्रा गोवर्धन परिक्रमा लगाने के लिए रवाना होगी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति संकल्प यात्रा प्रयागराज से मथुरा के लिए निकाली गई। सीता रसोई के महांत हरि



नारायण दास के नेतृत्व में निकाली गई संकल्प यात्रा मंगलवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे राया कट पर पहुंची। अचानक पुलिस को यात्रा की सूचना मिली तो सतर्कता बढ़ गई। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा दी। यात्रा को एसडीएम सदर मोहित कुमार ने रोक दिया। यात्रा में सी से अधिक महिला और पुरुष हैं। एसडीएम मोहित कुमार ने महांत को यह कहते हुए रोक दिया कि यात्रा यहां से आगे

नहीं जाएगी। इसको लेकर महांत एसडीएम से नोकझोंक हुई। महांत को आगे ले जाने की ज्वद पर अड़ गए। एसडीएम ने उच्चाधिकारियों से वार्ता की और फिर उनके कार्यक्रम की जानकारी दी। इसके बाद एसडीएम ने अपनी निगरानी में यात्रा को यहां से रवाना किया। एसडीएम के साथ सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी यात्रा को राधा कुंड ले गए और फिर शाम

साढ़े सात बजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंची और दर्शन किए। इसके बाद गोवर्धन रोड स्थित केडीएस स्कूल में विश्राम किया। विश्व महासंघ सनातनी रक्षा वाहिनी के प्रदेश मंत्री अरुण मिश्रा ने बताया, बुधवार की सुबह यात्रा गोवर्धन पहुंचेगी। यहां गिरिराजजी की परिक्रमा लगाई जाएगी। महंत हरिदास महाराज ने बताया श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति संकल्प यात्रा लेकर प्रयागराज से सीता रसोई आश्रम से आ रहे थे, और पुलिस ने रोक दिया। उनका कहना था कि कान्हा और नंदी कब तक रहेंगे बंदी का नारा लेकर निकले हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराने का संकल्प लिया है। सीओ ने बताया कि शांतिपूर्ण तरीके से दर्शन कराए जाएं।

श्योराजपुर गांव में सफाई व्यवस्था बद्दहाल, जगह-जगह पसरी गंदगी से ग्रामीण परेशान

जलभराव के कारण मच्छरों का बढ़ा प्रकोप, ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की उठाई मांग



बहजोई/संभल(सब का सपना):- विकासखंड क्षेत्र के गांव श्योराजपुर में सफाई व्यवस्था बद्दहाल होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से सफाई कर्मों के नहीं आने के कारण जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से गंदा पानी सड़कों के किनारे जमा हो रहा है। वहीं गांव के एक रास्ते पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, सफाई व्यवस्था की अनदेखी के कारण गांव में कई

स्थानों पर कूड़ा-कचरा और गंदगी जमा है। जलभराव वाले स्थान पर पानी जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गंदगी और जलभराव के चलते संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव की सफाई व्यवस्था को लेकर कई बार ग्राम प्रधान से शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। आरोप है कि शिकायतों के बाद भी न तो जलभराव की समस्या दूर कराई गई और न ही



गांव में नियमित रूप से सफाई कराई जा रही है। इससे ग्रामीणों में जिम्मेदारों के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को समस्या से नाराज ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने गांव की गलियों और रास्तों में फैली गंदगी तथा जलभराव की समस्या को दूर कराने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं कराई गई तो समस्या और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से गांव का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने, नियमित रूप से सफाई

कर्मों भेजने, नालियों की सफाई कराने तथा जलभराव वाले रास्ते से पानी की निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होने से न केवल आवागमन सुचारु होगा, बल्कि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और बीमारी के खतरे से भी राहत मिलेगी। इस समस्या को लेकर जब वहां के सचिव से बात करने का प्रयास किया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। प्रदर्शन करने वालों में शेखर शर्मा, श्रवण सिंह, बिरलेश शर्मा, छऊ, राम किशोर, विकुल कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सुरक्षित यातायात के लिए पुलिस की सख्ती, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार चेकिंग और प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने वीडियो जारी कर यातायात पुलिस की कार्रवाई की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि सितंबर माह में अब तक करीब छह हजार वाहनों के चालान किए जा चुके हैं, जबकि करीब 250 वाहनों को सीज किया गया है। यातायात पुलिस की टीम द्वारा मुख्य मार्गों, चौराहों, बाजारों और अन्य प्रमुख स्थानों पर नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। चेकिंग के दौरान निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर संचालित किए जा रहे ई-रिक्शा, ऑटो और टैप्पो को भी



कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि ओवरलोडिंग के कारण सड़क पर आवागमन प्रभावित होने के साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा वाहनों में लगाए गए प्रेशर हॉर्न, मॉडिफाइड साइलेंसर और अन्य अनधिकृत मॉडिफिकेशन के खिलाफ भी यातायात पुलिस कार्रवाई कर रही है। वाहन चालकों को निर्धारित मानकों

के अनुरूप वाहन संचालित करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। पुलिस द्वारा चालकों को समझाया जा रहा है कि सड़क पर वाहन चलाते समय अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान के साथ ही जाम की स्थिति को नियंत्रित करने, सड़क पर यातायात अनुशासन बनाए रखने और संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए भी लगातार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। चेकिंग के दौरान वाहन चालकों को हेलमेट, सीट

बेल्ट, निर्धारित गति सीमा सहित अन्य यातायात सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। पुलिस की ओर से आमजन से अपील की गई है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें और निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें तथा दोपहिया वाहन चालक हेलमेट और चारपहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। साथ ही वाहनों में किसी भी प्रकार का अर्नविकृत मॉडिफिकेशन न कराने की अपील की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यातायात नियमों का पालन न केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। जनपद में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस की चेकिंग और प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

नई जिम्मेदारियों के लिए एसपी कुलदीप सिंह को दी शुभकामनाएं



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) सम्भल कुलदीप सिंह के गैर जनपद स्थानांतरण के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने कुलदीप सिंह को

स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने उनके कार्यकाल के दौरान जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस विभागीय दायित्वों के निर्वहन में दिए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि कुलदीप सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के



साथ किया। एसपी ने उनके आगामी कार्यकाल और नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर सफलता की कामना की। वहीं समारोह में मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कुलदीप सिंह के साथ कार्य करने के अनुभव

साझा किए और उनके आगामी सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह के दौरान माहौल सौहार्दपूर्ण और भावुक रहा। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके नए कार्यस्थल पर सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी।

अखिलेश दुबे के खिलाफ रंगदारी के मुकदमे में मुकरा वादी, कोर्ट में कहा- पुलिस ने झूठे बयान लिए

कानपुर। ढाई करोड़ रुपये रंगदारी वसूली के मुकदमे में वादी जिला जज की कोर्ट में मुकर गया है। उसने कहा है कि उनसे रंगदारी नहीं मांगी गई थी। पुलिस ने जो बयान लिए हैं, वह झूठे हैं। होटल कारोबारी सुरेश पाल ने 7 अगस्त 2025 को किदवई नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि अधिवक्ता अखिलेश दुबे व उसके साथी आयुष मिश्रा उर्फ लवी ने उन्हें दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाकर ढाई करोड़ रुपये की रंगदारी वसूली।



मुकदमे में अखिलेश दुबे व आयुष मिश्रा के खिलाफ आरोप तय हो गए थे। सुरेश की ओर से अर्जी देकर कहा गया कि वह गंभीर रूप से बीमार हैं

और गवाही देने कोर्ट आने में असमर्थ हैं। उनकी ओर से मेडिकल संबंधी कागजात भी अर्जी के साथ दाखिल किए गए थे। कार्यवाहक जिला

नगीना की राजनीति, फोन मत उठाओ, विकास बाहर दिखाओ और चुनाव आते ही भोली जनता को लुभाओ

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नगीना सीट पर सियासत का एक अनोखा कुर्सी फॉर्मूला इन दिनों जोरों पर है। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि यहाँ की राजनीति लंबे समय से दो मुख्य चेहरों के इर्द-गिर्द घूमती आ रही है एक वो नेताजी जो जनता का फोन उठाना अपनी तौहीन समझते हैं, और दूसरे वो महाशय जो नगीना की जमीन छोड़कर बाहर के इलाकों में विकास के झंडे गाड़ते घूमते हैं। दोनों ही दिग्गजों को एक बात पर पक्का भरसा है कि यहाँ की जनता बेहद भोली-भाली और सीधी-सादी है, इसलिए कुर्सी तो आखिरकार उन्हीं के पास आनी है। जब लोक हुआ दो 'गांधी टोपी' वालों

का किस्सा सियासी गलियारों में इन दिनों दोनों दिग्गजों की बातचीत का एक काल्पनिक मगर बेहद चटपटा किस्सा जोरों से बायरल हो रहा है। कहा जाता है कि बंद कमरे में पहले नेताजी मुस्कुराते हुए बोले भाई साहब, जब भी जनता फोन मिलाती है, मैं तो उठता ही नहीं! अगर फोन उठा लिया तो लोग फालतू में काम बताते लगेंगे।" यह सुनते ही दूसरे नेताजी ने ठहाका लगाया और बोले कि अरे छोड़िए। मैं कौन सा नगीना में विकास कार्य करता हूँ? मैं तो आसपास के दूसरे जिलों और क्षेत्रों का विकास दिखाकर काम चला लेता हूँ। बस चुनाव नजदीक आने दीजिए, फिर वापस नगीना पहुँचकर वही पुराना ह्यरोजगार और तरक्की

का राग अलाप दूँगा।" आखिर में दोनों ने एक स्वर में कहा "फिर किस बात की चिंता? नगीना की भोली जनता आखिर जाएगी कहाँ? घूम-फिरकर मजबूरी में कुर्सी तो हमें ही सौंपेगी!"सड़कों पर गड़्डे, गन्ना किसान बेहाल और रोजगार की तलाश किस्सा भले ही चटपटा हो, लेकिन धरातल की हकीकत बेहद कड़वी है। नगीना का युवा आज भी रोजगार के लिए दर-दर की ठोकें खाने को मजबूर है। क्षेत्र की सड़कें खस्ताहाल हैं और गन्ना किसान अपने बकाया भुगतान और समस्याओं को लेकर लंबे समय से परेशान हैं। इसके बावजूद, जैसे ही चुनाव की सुगुणाहट शुरू होती है, दोनों नेताजी पण और जगमगाते वादों

का पिटारा लेकर जनता के बीच पहुँच जाते हैं। वादे भी ऐसे-वैसे नहीं—"इस बार नगीना को पेरिस बना देंगे। और हर हाथ को पक्का रोजगार देंगे। क्षेत्र के स्थानीय निवासियों का दर्द छलक ही पड़ता है। एक बुजुर्ग मतदाता ने कहा, "हम हर चुनाव में उठे जाते हैं, लेकिन हमारे पास मजबूत विकल्प ही क्या है?" हालाँकि, इस बार हवा का रुख कुछ अलग सा महसूस हो रहा है। अब देखना यह होगा कि क्या नगीना की जनता फिर से उन्हीं पुराने लुभावने वादों और भाषणों के जाल में फँसती है, या फिर इस बार अपने वोटों की ताकत से सालों पुराने इस 'कुर्सी के फॉर्मूले' को हमेशा के लिए बदल देती है।

स्कूल में शोक सभा का आयोजन कर प्रधानाचार्य के निधन पर जताया शोक

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— मोहल्ला सैय्यदबाड़ा स्थित मिटिल पलावर स्कूल की प्रधानाचार्या नीरू शर्मा 62 वर्ष पत्नी सतीश कुमार का लम्बी बीमारी के चलते 21 सितंबर को निधन हो गया ,नीरू शर्मा पिछले 25 वर्ष से स्कूल में कार्यरत रही है । स्कूल के उपप्रबंधक राजकुमार सेठी कहाँ कि नीरू शर्मा एक कुशल व्यवहार और खुश मिजाज की सफल शिक्षिका थी, उन्होंने अपने 25 वर्षों के लंबे सफर में स्कूल को प्रगति की ओर ले जाने का कार्य किया, हमेशा



स्कूल के ठीक समय पर ड्यूटी की अंजाम देती थी स्कूल में अनुशासन भी सख्त रहा। छठ छात्रों को अनुशासित शिक्षा के साथ-साथ

सेवाएं और संवेदनशीलता और उसकी सेवाओ को विद्यालय परिवार हमेशा याद रखेगा स्कूल में शोक सभा आयोजित कर उनकी सेवाओं को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक सभा में राजकुमार सेठी ,गोरखनाथ खन्ना ,सतीश बब्बर ,सोहन सचदेवा ,घनश्याम लाल ,चरनजीत ,प्रेम सचदेवा ,चरनजीत ,प्रहलाद कुशवाहा ,,गौरव अग्रवाल ,दीपक कुमार, समेत विद्यालय परिवार के सभी स्टाफ और छात्राएं मौजूद रही ।

भाजपा नगर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने परिवारों के साथ गणपति की पूजा आरती

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष, नगर उपाध्यक्ष ने परिवार सहित की गणपति बप्पा मोरया की पूजा अर्चना व आरती के बाद प्रतिदिन वितरित होने वाला प्रसाद ग्रहण कर अपने को धन्य समझा। नगर के मोहल्ला शाह जहीर में गणपति बप्पा की पूजा आरती भाजपा की नगीना नगर मंडल अध्यक्ष अंजली विश्‍नोई मित्तल उनके पति सौरभ मित्तल, नगर उपाध्यक्ष शिवम मित्तल उर्फ लवी ने



अपने परिवार नवनीत मित्तल के आवास पर स्थापित गणपति की पूजा अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण कर

लवी मित्तल, पवन मित्तल, ठाकुर मित्तल व शोभित मित्तल, शैलेंद्र मित्तल, सत्यम मित्तल, सचिन मित्तल, कालू मित्तल, सोनी मित्तल प्राची मित्तल, रिया मित्तल, निम्मी मित्तल, चंचल मित्तल, लवकी मित्तल, आशु मित्तल, कनिका मित्तल सत्यम मित्तल सचिन मित्तल बुलबुल मित्तल अन्य मित्तल मित्तल परिवार आदि ने उपस्थित होकर गणपति की पूजा आरती की तथा अंत में प्रसाद ग्रहण किया।

90 बालिकाओं को उनके उत्कृष्ट परिणाम के लिए किया सम्मानित



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— विद्या भारती के विद्यालय सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रामलीला बाग नगीना में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें नगीना क्षेत्र के विद्यालयों की 90 बालिकाओं को उनके कक्षा दस और बाहरवीं के उत्कृष्ट परिणाम के लिए सम्मानित किया गया। विद्या भारती के विद्यालय सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रामलीला बाग नगीना में

मंगलवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें नगीना क्षेत्र विद्यालयों पी डी एम इंटर कॉलेज पुरैनी, अंकुर इंटर कॉलेज पुरैनी, आदर्श कन्या पाठशाला पुरैनी, गोयल पब्लिक स्कूल नगीना, सेंट मैरी स्कूल नगीना, ऐ के मुस्लिम इंटर कॉलेज नगीना, दयानंद वैदिक कन्या इंटर कॉलेज नगीना, किसान इंटर कॉलेज भूपुर, शमला रानी इंटर कॉलेज कटेर, हिंदू इंटर कॉलेज



नगीना, एम एम इंटर कॉलेज नगीना आदि की 90 बालिकाओं को उनके कक्षा दस और बाहरवीं के उत्कृष्ट परिणाम के लिए सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरि सिंह हिल्लों (शिक्षक टछउ उत्तर प्रदेश), विशेष अतिथि रोशन लाल (पूर्व उप श्रम आयुक्त उत्तर प्रदेश सरकार), कार्यक्रम अध्यक्ष मुकेश चौधरी (प्रान्त कुटुम्भ प्रबोधन प्रमुख राष्ट्रीय

सेविका समिति, मेरठ प्रान्त), रामवीर सिंह गन्ना चेयरमैन, धामपुर, विद्यालय के अध्यक्ष प्रदीप कुमार गर्ग, प्रबंधक संदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष बालेश विश्‍नोई , सदस्य संजय वर्मा , अनिल शर्मा, संजीव गुप्ता, प्रियंका अग्रवाल, प्रधानाचार्य महेश सिंह और नगर के गण मान्य नागरिकों सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जान से मारने की नीयत से मारपीट के मामले में पिता-पुत्र व पौत्र गिरफ्तार

55 दिन बाद पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों को पकड़ा

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— जान से मारने की नीयत से मारपीट करने के मामले में नगीना कोतवाली पुलिस ने एक ही परिवार के पिता, पुत्र व पौत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को मुकदमा दर्ज होने के करीब 55 दिन बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम पखनपुर निवासी शिव कुमार पुत्र हरपाल सिंह ने 29 जुलाई को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही हर्षित कुमार पुत्र राजकुमार, राजकुमार पुत्र



हरपाल सिंह और हरपाल सिंह पुत्र न्यादार सिंह ने उनके पुत्र के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने

की नीयत से मारपीट की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(3), 109(1) और 118(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। मंगलवार को मांझेड़ा पुलिस चौकी प्रभारी एसआइ प्रवीण कुमार ने कांस्टेबल सुरजीत सिंह और बसंत गोлияयान के साथ कार्रवाई करते हुए मुकदमे में नामजद तीनों आरोपियों हर्षित कुमार, राजकुमार और हरपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया।

गला काटकर हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

स्योहारा पुलिस ने करीब दो माह बाद की कार्रवाई, तीनों आरोपी एक ही गांव के निवासी

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):—, जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने गला काटकर हत्या करने के मामले में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई 2026 को ग्राम चकमहमूदानी निवासी तसवीरन पत्नी स्वर्गीय शरीफ ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि आरोपियों ने उसके पुत्र नफीस अहमद की गला काटकर हत्या कर शव छिपा दिया था। तहरीर के आधार



पर थाना स्योहारा में मुकदमा अपराध संख्या 298/2026, धारा 103(1), 238(ए), 3(5)

मुगाबिक मंगलवार को ग्राम विरामपुर उर्फ अलादीनपुर निवासी अरिफ पुत्र अहमद अली, शौएब पुत्र अहमद अली और महफूज पुत्र अहमद अली को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी संजय कुमार, अरुण कुमार, हेड कांस्टेबल मनीज कुमार तथा कांस्टेबल विपिन कुमार, आलोक कुमार और अंशुल राणा शामिल रहे।

यूरी के पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए राहत, ऑनलाइन काउंसलिंग से एडमिशन लेने वालों के लिए नॉमिनेशन की डेट बढ़ी

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा परिषद ने शैक्षिक सत्र 2026-27 में संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (जेईईसीयूपी) की आनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के नामांकन की समय सीमा बढ़ा दी है। अब संबंधित छात्र-छात्राओं का आनलाइन नामांकन 23 से 27 सितंबर तक कराया जा सकेगा। परिषद ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि में किसी पात्र विद्यार्थी का नामांकन लंबित रहने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित



संस्थान के प्रधानाचार्य या निदेशक की होगी। परिषद के अनुसार

प्रवेशित विद्यार्थियों का नामांकन 10 से 20 सितंबर तक पूरा कराया जाना था। इसके बावजूद कुछ संस्थानों ने निर्धारित अवधि में नामांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं की। छात्रहित को देखते हुए नामांकन के लिए पांच दिन का अतिरिक्त समय दिया है। परिषद के सचिव संतोष कुमार सिंह ने 206 संस्थानों को चेतावनी दी है कि किसी छात्र का नामांकन लंबित या अपूर्ण रहने की स्थिति में संबंधित प्रधानाचार्य या निदेशक का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा।

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— मोहल्ला पंजाबियान स्थित मीना मार्केट में खरीदारी के बहाने एक बुर्कानशीन महिला द्वारा दस दिनों के भीतर दो अलग-अलग दुकानों से सामान चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। दोनों घटनाओं में महिला एक युवक के साथ बाइक से बाजार पहुंची और सामान देखने के दौरान कथित तौर पर चोरी कर वापस चली गई। दुकानदारों ने दोनों घटनाओं की सीसीटीवी फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराई है। पुलिस महिला और उसके



बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। दुकानदार के अनुसार, फुटेज में महिला सामान देखते हुए और कथित तौर पर हार ले जाते हुए दिखाई दे रही है। दुकानदार ने नामांकन के लिए बड़ी संख्या में महिला अपने पुरुष साथी के साथ नौमान की ऑर्टिफिशियल ज्वेलरी की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचती हैं। जानकारी के अनुसार, 13 सितंबर को एक महिला अपने पुरुष साथी के साथ नौमान की ऑर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान पर पहुंची। दोनों घटनाओं में महिला बनकर सामान देखने लगे। आरोप है कि इसी दौरान महिला ने दुल्हन के गले में पहनने वाला ऑर्टिफिशियल हार चोरी कर लिया। दुकानदार को तत्काल चोरी का पता नहीं चला। बाद में सामान का मिलान करने पर करीब तीन हजार रुपये कीमत का हार गायब मिला। कर्मचारियों से पृष्ठताछ के

दिवनों के भीतर दो दुकानों में चोरी की घटनाओं के बाद मीना मार्केट के व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में रोजाना बड़ी संख्या में ग्राहक खरीदारी करने आते हैं। ऐसे में प्रत्येक ग्राहक पर लगातार नजर रखना मुश्किल होता है। व्यापारियों के अनुसार, ग्राहक बनकर आने वाले लोग दुकानदार का ध्यान सामान दिखाने में व्यस्त होने का फायदा उठाकर चोरी कर सकते हैं। व्यापारियों ने पुलिस से बाजार में नियमित गश्त बढ़ाने, सदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है।

अमौली में बुढ़वां मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन



अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):– श्री बाला जी सरकार सेवा समिति द्वारा बुढ़वां मंगल के शुभ अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का आयोजन सेंट्रल बैंक के पास बस स्टाप अमौली में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।समिति के आयोजकों ने बताया कि बुढ़वां मंगल के पावन अवसर पर हनुमान जी की कृपा से प्रतिवर्ष यह भंडारा आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी "सहयोगी आप और हम" के भाव के साथ भंडारे का आयोजन हुआ। भंडारे में हलवा-पूड़ी, सज्जी सहित अन्य प्रसाद वितरित किया जाा है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। आयोजकों ने सहयोग देने वाले सभी भक्तों का आभार जताया।

अमौली में योगेंद्र सिंह निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित, दयाराम बने मंत्री



अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):– उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक स्तरीय निर्वाचन के तहत अमौली ब्लॉक में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। निर्वाचन पयवैक्षक अनुराग मिश्रा (असोशर ब्लॉक अध्यक्ष) और दिग्विजय सिंह (भिटोरा ब्लॉक अध्यक्ष) के निर्देशन में संपन्न चुनाव में योगेंद्र सिंह उर्फ गोली को पुनः निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया, जबकि दयाराम गोतम को निर्विरोध मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा होते ही शिक्षकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और मंत्री को माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार जताते हुए कहा कि जिस तरह चुनाव में एकजुटता दिखाई गई है, उसी तरह आगे भी सभी संगठन के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के हितों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए वह पूरी मजसूती के साथ आवाज उठाते रहेंगे।निर्वाचन के बाद शिक्षकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने तथा शिक्षक हितों के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

पंजाब की मंडियों में सोना-चांदी, दलहन, तिलहन और कपास के नवीनतम दरें
अमृतसर। पंजाब भारत का एक प्रमुख कृषि प्रधान राज्य है, जहां की प्रमुख दिसावरी मंडियां- जैसे खन्ना, लुधियाना, अमृतसर, जालंधर और बटिंडा देशभर में खाद्यान्न, तिलहन, दलहन, मसालों और कपास के व्यापार एवं मूल्य निर्धारण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन मंडियों में रोजाना होने वाली आवक और मांग-आपूर्ति के संतुलन के आधार पर विभिन्न कृषि उत्पादों एवं प्रसंस्करण सामग्रियों के दाम तय होते हैं। 22 सितंबर 2026 की व्यापारिक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य की प्रमुख मंडियों में गेहूं, बासमती चावल, विभिन्न दालों, सरसों तेल, खल, चोकर, भेवों तथा मसालों के भावों में विविधता देखी गई है। एशिया की बड़ी अनाज मंडियों में शुमार खन्ना मंडी में गेहूं, आटा, मैदा और राइसब्रान का व्यापार सक्रिय रहा, वहीं लुधियाना और जालंधर में देशी-विदेशी किराना, सूखे मेवे और दलहन के भावों में हलचल दर्ज की गई। अमृतसर मंडी मुख्य रूप से बासमती चावल एवं धान की विभिन्न श्रेणियों (जैसे 1121 स्टैम व सेला) के कारोबार का केंद्र रही, जबकि बटिंडा मंडी में रूई, बिनीला और नरगा के भावों पर विशेष ध्यान रहा। यह व्यापक बाजार विश्लेषण किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं को पारदर्शी व सटीक मूल्य जानकारी प्रदान करता है।

अमृतसर में कांग्रेस नेता दिनेश बस्सी के बेटे वंश बस्सी पर 50 लाख की ठगी का आरोप, पुलिस कर रही छापेमारी



अमृतसर। कांग्रेस सरकार में इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन रहे दिनेश बस्सी के बेटे वंश बस्सी और उसके एक साथी अमित बजाज के खिलाफ थाना सिविल लाइन की पुलिस ने घोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज किया है। आरोप है कि दोनों आरोपितों ने जिला कचहरी के सामने केनाल कालोनी निवासी कंवर्देय सिंह से पचास लाख की ठगी की है। उधर, थाना प्रभारी मोहित कुमार ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। आरोपित अमित बजाज होली सिटी का रहने वाला है जबकि वंश बस्सी पुराने शहर स्थित वी मंडी के भीतर शहीद भगत सिंह रोड का रहने वाला है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 26 जून 2023 को एक समीन का एप्रिमेंट टू सेल किया था।इस संपत्ति का उन्होंने आरोपितों को पचास लाख रुपये का भुगतान भी किया था।उक्त इकरारनामे को कभी रद नहीं किया और जुबानी इसे कई बार बढ़ाया जा चुका है। बावजूद उक्त आरोपितों ने शिकायतकर्ता की मज्जी के बगैर अमित बजाज ने यह दस्तावेज 10 अक्टूबर 2025 को वंश बस्सी के हक में कर दिया। आरोपितों ने इकरारनामा भी अपने नाम कर लिया और उक्त राशि का भुगतान भी उसे वापस नहीं किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि नवंबर बीते साल उन्हें पता चला कि दोनों ने मिलीभुक्त करके उक्त इकरारनामा किसी तीसरी पार्टी के नाम पर कर दिया है।

फिरोजपुर शहरी सीट पर भुल्लर परिवार में घमासान, आप विधायक के भाई कुलदीप सिंह ने की चुनावी एंट्री की घोषणा
फिरोजपुर। आम आदमी पार्टी के फिरोजपुर शहरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रणवीर सिंह भुल्लर के भाई कुलदीप सिंह भुल्लर ने भी आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने की इच्छा जाहिर करते हुए पार्टी की टिकट पर दावेदारी पेश कर दी है। कुलदीप भुल्लर ने मंगलवार सुबह अपने इंटरनेट मीडिया चाने पर समर्थकों की इच्छा सार्वजनिक करते हुए कहा कि वह स्वयं चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के आग्रह के बाद उन्होंने चुनाव नदान में उतरने का फैसला किया है।कुलदीप सिंह भुल्लर के मुताबिक पिछले दिनों करीब 30 से 40 गांवों के लोग उनके पास पहुंचे और उनसे विधानसभा चुनाव लड़ने का आग्रह किया। समर्थकों ने उनसे कहा कि आम आदमी पार्टी को उनसे बेहतर उम्मीदवार नहीं मिल सकता।भुल्लर ने पिछले 3 दिन में जुटाए 13 लाख रुपये उन्होंने बताया कि जब उन्होंने समर्थकों से कहा कि चुनाव लड़ने के लिए उनके पास धन नहीं है, क्योंकि वह अपना कान्नी कुछ धन कर चुके हैं, तो समर्थकों ने स्वयं चुनाव का खर्च उठाने की बात कही। भुल्लर ने कहा कि समर्थकों ने पिछले तीन दिनों में ही आपस में करीब 13 लाख रुपये एकत्र कर लिए हैं। उनका प्रयास है कि पार्टी की ओर से उन्हें ही टिकट मिले। कुछ दिन पहले डेढ़ करोड़ रुपये के बॉन्ड फिलवाड़ा अमृतसर को दान देने की घोषणा के बाद कुलदीप भुल्लर चर्चा में आए थे। तीन दशक तक पत्रकारिता से जुड़े रहे कुलदीप भुल्लर पिछले छह वर्षों से अपने गांव में योग की कक्षाएं भी चला रहे हैं। उनके अनुसार करीब तीन दर्जन लोग नियमित रूप से उनसे योग सीख रहे हैं और विभिन्न बीमारियों में योग के माध्यम से लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि जब उनके भाई रणवीर सिंह भुल्लर पहले से ही आम आदमी पार्टी के विधायक हैं तो वह स्वयं टिकट को दावेदारी क्यों कर रहे हैं,

एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने डीएम को सौंपा झापन, 5 अक्टूबर से आंदोलन की चेतावनी



हापुड़(सब का सपना):– राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनचएम) संविदा कर्मचारी संघ, जिला हापुड़ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में संघ ने 15 से 18 वर्षों से कार्यरत प्रदेश के एक लाख से अधिक संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण और

समान कार्य-समान वेतन की मांग प्रमुखता से उठाई। संघ ने नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी होने तक 10 लाख रुपये की केशलेस चिकित्सा सुविधा, महंगाई भत्ता, ईपीएफ, एचआरए, स्थानांतरण नीति, अनुकंपा नियुक्ति, आउटसोर्स कर्मचारियों के समायोजन और नियमित भर्तियों में 25 प्रतिशत कोटा



सहित 6 सूत्रीय मांगें रखीं। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 3 अक्टूबर तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 5 से 7 अक्टूबर तक काली, पट्टी बांधकर कार्य किया जाएगा। इसके बाद 8 से 10 अक्टूबर तक जिला मुख्यालय पर कार्य बहिष्कार होगा और 12 अक्टूबर

से लखनऊ में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष चंद्रभान तोमर, सचिव सुशील चौधरी, जिला संरक्षक अभिनव दुबे, संगठन मंत्री ज्योति वर्मा, सह संगठन मंत्री मोहित कौशिक और मीडिया प्रभारी अजय मलिक मौजूद रहे।

देवनागरी महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संस्तुत कार्यक्रम मेरे सपनों का भारत का किया गया आयोजन

गुलावटी/बुलंदशहर (सब का सपना):– देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावटी में आज उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संस्तुत कार्यक्रम "मेरे सपनों का भारत" का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर वि्वज प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सांस्कृतिक परिपद के मुख्य संयोजक पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा ने इस अवसर पर बताया कि भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कुमारी भावना, द्वितीय स्थान पर कुमारी नेहा जबकि तृतीय स्थान पर कुमारी अक्सा चौहान रहीं। इसी क्रम में वि्वज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर कुमारी काजल, द्वितीय स्थान पर कुमारी स्नेहा रहीं जबकि कुमारी कंचन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को इस अवसर पर मेडल तथा प्रमाण पत्र देकर



सम्मानित किया गया। विजेताओं को यह सम्मान राजनीति विज्ञान परिषद और हिंदी परिषद के संयुक्त प्रावधान में परिषद के पदाधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए श्री पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि प्रश्न पूछना लोकतंत्र के कुशल संचालन के लिए अत्यावश्यक है तथा लोगों की आजादी उनके प्रश्न पूछने की क्षमता

से ही निर्धारित होती है। डॉक्टर संदीप कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए उनसे और अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की। नवीन तोमर ने विद्यार्थियों को देश रक्षा और देश प्रेम की शपथ दिलाई। इस अवसर डॉ हरीश कुमार कसाना, डॉ विनय कुमार सिंह, डॉक्टर शशि कपूर सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

जहानाबाद, फतेहपुर (सब का सपना):– आरपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर आयोजकों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को उत्तराखंड महिला क्रिकेट टीम की चयनकर्ता एवं पूर्व नेशनल महिला क्रिकेट खिलाड़ी अलका सिंह को आरपीएल का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया। आरपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के चेयरमैन राजेश उत्तम के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कानपुर पहुंचकर अलका सिंह से मुलाकात की। इस दौरान कोषाध्यक्ष हसन, उपाध्यक्ष शेखर, वाइस चेयरमैन मोनू मिश्रा, एहसान आदि ने पुष्पचुछ एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर उनका जोरदार स्वागत किया। चेयरमैन राजेश उत्तम ने अलका सिंह को आगामी 2 जनवरी 2027 को बुढ़वा खेल मैदान में



आयोजित होने वाले आरपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का ब्रांड एंबेसडर बनने का प्रस्ताव दिया। अलका सिंह ने प्रस्ताव स्वीकार करते हुए सहर्षित जताई। इस मौके पर अलका सिंह ने आरपीएल टीम के सभी सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि ब्रांड एंबेसडर के रूप में टूर्नामेंट का

व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आरपीएल टूर्नामेंट में देश के कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट खिलाड़ी भी प्रतिभाग करेंगे।अलका सिंह के ब्रांड एंबेसडर बनने पर प्रियांशु गुप्ता, काजू, आदिल, अब्दुल आदि ने खुशी जताई।

चंडीगढ़ में निगम चुनाव से पहले बड़ा बदलाव; 56 हजार मतदाता घटे, एसआईआर की फाइनल सूची जारी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव दिसंबर में प्रस्तावित हैं और उससे पहले वोटर्स को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है।विशेष गहन पुनरीक्षण (एआईआर) की मतदाता सूची में करीब 56 हजार मतदाताओं की कमी आई है। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रेरणा पुरी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर अंतिम मतदाता सूची के आंकड़ों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसआईआर से पहले चंडीगढ़ में 5,16,427 मतदाता दर्ज थे, जबकि अंतिम मतदाता सूची में यह संख्या घटकर 4,60,209 रह गई है। 21 जुलाई को जारी मसौदा मतदाता सूची में कुल 4,50,282 मतदाता थे। दवे और आपत्तियों की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए और अंतिम सूची में 9,927 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई। इसके बावजूद एसआईआर से पहले की सूची के मुकाबले शहर में मतदाताओं



की संख्या काफी कम हो गई है।अंतिम सूची में 2,34,516 पुरुष, 2,25,671 महिला और 22 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार चंडीगढ़ की आबादी 10,54,000 थी, जबकि 2026 की अनुमानित आबादी 13,72,260 बताई गई है। अंतिम आंकड़ों के अनुसार मतदाता-जनसंख्या अनुपात 335 और लिंगानुपात 962 दर्ज किया गया है।प्रत्येक वार्ड में चुनावी गणित होगा।प्रभावित

एसआईआर के बाद मतदाता संख्या में आई यह बड़ी गिरावट आगामी नगर निगम चुनाव के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। शहर के 35 वार्डों में मतदाता संख्या के बदलने से प्रत्येक वार्ड का चुनावी गणित प्रभावित हो सकता है। अंतिम सूची के आंकड़े अब यह भी बताएंगे कि किन वार्डों में मतदाताओं की संख्या में सबसे अधिक बदलाव हुआ है और इसका वाईवर चुनावी संरचना पर कितना असर पड़ा है।

पराली जलाने पर जुमाना नहीं, किसानों को मिले 100 रुपये प्रति कि्वंटल प्रोत्साहन; प्रताप सिंह बाजवा ने रखी बड़ी मांगब

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पराली जलाने के मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार की प्रस्तावित दंडात्मक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए किसानों के लिए आर्थिक प्रोत्साहन की मांग की है। बाजवा ने कहा कि पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों को केवल अपराधी मानकर जुमाना लगाने से नहीं होगा। इसके लिए किसानों की आर्थिक भुजबृत्तियों को समझते हुए व्यवहारिक विकल्प उपलब्ध कराने होंगे।बाजवा नहीं करते पराली जलाने का समर्थन बाजवा ने कहा कि केंद्रीय पर्वारण मंत्रालय के तहत वायु गुणवत्ता प्रबंधन



आयोग (सोपक्यूएम) ने पराली जलाने पर किसानों के खिलाफ जुमाने का प्रस्ताव रखा है। प्रस्तावित व्यवस्था में खेत के आकार के आधार पर प्रत्येक घटना के लिए 5,000, 10,000 और 30,000

रुपये तक जुमाना लगाने की बात कही गई है।बाजवा ने स्पष्ट किया कि वह पराली जलाने का समर्थन नहीं करते, लेकिन सरकार को यह समझना होगा कि यह केवल पर्वारण से जुड़ी समस्या नहीं, बल्कि किसानों

सावधान ! सिर्फ वीजा या PR के लिए की फर्जी शादी तो जाएंगे जेल, कनाडाई सरकार ने जारी की चेतावनी

अमृतसर। इमिग्रेशन आवेदनों की गहन जांच और वीजा नियमों में सख्ती के बीच कनाडाई सरकार ने शादियों के जरिए होने वाली धोखाधड़ी के खिलाफ एक नई चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने अपने नागरिकों, स्थायी निवासियों और विदेशी नागरिकों को आगाह किया है कि केवल इमिग्रेशन या पक्की रिहाइश (हफ) पाने के मकसद से बनाए गए झूठे, कॉन्ट्रैक्ट और स्वास्थी रिश्तों के गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इमिग्रेशन, शरणार्थी और नागरिकता विभाग द्वारा इंटरनेट मीडिया पर जारी इस सलाह में फर्जी शादियों के जरिए वीजा हासिल करने की कोशिशों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी जीवनसाथी को स्पॉन्सर करने



से पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।साकर तब, जब वह व्यक्ति हाल ही में मिला हो, तुरंत शादी का दबाव बना रहा हो, या उसका पारिवारिक इतिहास संदिग्ध हो। फर्जी शादियों के आधार पर स्पॉन्सरशिप करने वालों पर आपराधिक केस भी दर्ज हो सकते हैं।फर्जी शादियों की पहचान के लिए विशेष ट्रेनिंग

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वीजा अफसरों को ऐसे फर्जी रिश्तों और कागजी शादियों को पहचानने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। दस्तावेजों की बारीक जांच और साक्षात्कार के जरिए असली और नकली रिश्तों का आसानी से पता लगाया जा रहा है।कॉन्ट्रैक्ट मैरिज के मामलों पर नकेल

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब भाषा परीक्षा (IELTS) के आधार पर होने वाली अनुबंध शादियों (कॉन्ट्रैक्ट मैरिज) के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अक्सर देखा गया है कि योग्यता न होने पर लड़का किसी योग्य लड़की की पढ़ाई और विदेश जाने का पूरा खर्च उठाता है ताकि बाद में स्पाउज वीजा पर विदेश जा सके। लेकिन विदेश पहुंचते ही रिश्ते टूटने और धोखाधड़ी के मामले बढ़ जाते हैं। कनाडाई सरकार ने स्पष्ट किया है कि इमिग्रेशन प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। साथ ही, घरेलू हिंसा का शिकार हो रहे जीवनसाथियों को राहत देते हुए साफ किया गया है कि वे बिना अपना इमिग्रेशन स्टेटस खोए कानूनी मदद ले सकते हैं।

क्यों होता है सिरदर्द

हेल्थ प्लस

ध्यान दें, कैसे खाते हैं आप ?

सिरदर्द को अधिकतर लोग साधारण मानकर गंभीरता से नहीं लेते और सिरदर्द की गोली लेकर सोचते हैं कि उन्हें इस दर्द से छुटकारा मिल गया। ये दवाइयाँ दर्द को समाप्त कर देती हैं परन्तु सिरदर्द के कारणों को नहीं समाप्त करती, इसलिए सिरदर्द के कारण को जानकर उस कारण को समाप्त करना बहुत जरूरी है।

सिरदर्द कई प्रकार के होते हैं जैसे :

- अधिक देर तक सोते रहने या कम समय सोने से, नींद पूरी न होने के कारण भी सिरदर्द हो सकता है। कभी-कभी नींद के बीच-बीच में टूटने के कारण भी सिरदर्द होता है।
- कभी-कभी गर्मी में अधिक व्यायाम कर लेने से भी सिरदर्द शुरू हो जाता है क्योंकि व्यायाम करते वक्त ग्लूकोज को मात्रा मांसपेशियों द्वारा खर्च कर ली जाती है और मौसिक को ग्लूकोज नहीं मिल पाता।
- तनाव का पहला लक्षण ही सिर दर्द है। इसके अतिरिक्त निराशा, नींद न आना, थका हुआ महसूस करना आदि भी तनाव के कारण होते हैं। आंखों के चरम के नंबर में बदलाव के कारण भी सिरदर्द होता है।
- अधिक जुकाम होने के कारण मौसम में बदलाव, अधिक धूपपान आदि के कारण भी सिरदर्द की शिकायत रहती है।
- पूरा दिन किसी बंद कमरे में बिताने से शरीर को शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इस कारण से भी सिरदर्द हो सकता है।
- सिरदर्द का कारण जानने के लिए काफी समय लगता है। अगर आपको तनाव है तो अपने आपको उस तनावपूर्ण वातावरण से दूर रखने का प्रयास करें। बाजार में सिरदर्द की बहुत सी दवाइयां उपलब्ध हैं, लेकिन उनका प्रयोग डाक्टर की सलाह ले कर ही करें। अगर सिर दर्द बिना किसी कारण के लगातार होता है तो एक्सरे या सीटी स्कैन डाक्टर की सलाहनुसार

कराएं।

- कई बार आप दिन में कुछ नहीं खाते या ब्रत रखते हैं तब भी सिरदर्द की शिकायत हो जाती है। कुछ भोज्य पदार्थ चाइनीज फूड, चाकलेट, पिजा, आइस्क्रीम आदि भी किसी-किसी को एलर्जी करते हैं और उन्हें इनके खाने के तुरन्त बाद सिर दर्द शुरू हो जाता है। अगर आप कॉफी अधिक मात्रा में पीते हैं और फिर एकदम उसे छोड़ देते हैं तो भी सिरदर्द हो जाता है।
- नमक की अधिक मात्रा भी इसका एक कारण है। चाइनीज फूड में सोया सास का प्रयोग किया जाता है जिसमें एक रसायन मोनो सोडियम ग्लूटमेट होता है जो सिरदर्द का कारण होता है। जिस भी भोज्य पदार्थ के कारण आपको सिरदर्द की शिकायत हो रही है उसे अपने भोजन में से निकाल दें।
- सिरदर्द की कोई भी दवा लेने से पूर्व कारण को जानने का प्रयास करें और डाक्टर के परामर्श लेते वक्त भी उन्हें बता दें कि आपको दर्द कौन से प्रकार का है ताकि वह आपको सही दवा दे सकें।



नन्ही अजवायन बड़े गुण

सामान्यतः सभी घरों में अजवायन का प्रयोग मसाले के रूप में किया जाता है। चिकित्सक इससे दवाइयां भी बनाते हैं। इस नन्ही अजवायन का प्रयोग करके आप भी इसके बेजोड़ गुणों को आजमा सकती हैं-

- सर्दी-जुकाम, कफ आदि में अजवायन बहुत उपयोगी है। इसके लिए अजवायन उबाल कर उसका पानी पीने से राहत मिलती है।
- अजवायन को चबाना या इसका धुआं लेना भी सर्दी, जुकाम में लाभकारी है।
- पेट में कोड़े होने पर अजवायन का सत लेना चाहिए।
- सूखी खांसी हो तो अजवायन को पान में रख कर चबाना चाहिए।
- मंदाग्रि की दशा में अजवायन, सौंठ, काली मिर्च और नमक पीस कर पानी के साथ फांकी लेने पर ठीक रहता है।
- पुराने जखम, फोड़े-फुंसी अथवा दाद-खाज में

अजवायन पानी में पीस कर लगाने से लाभ मिलता है।

- अजवायन, काला नमक, सौंठ व हींग लेकर बारीक पीस लें। उदरशूल होने पर चाय का आधा चम्मच दिन में दो बार पानी के साथ लें। यह दवा रामबाण साबित होगी।
- अजवायन के काढ़े से आंखें धोने से वे साफ व निरोगी होती हैं।
- अजवायन का शर्बत पीने से हाथ-पैरों के कांपने की स्थिति में आराम मिलता है।
- बच्चों को होने वाली उल्टी-दस्त में इसे मां के दूध के साथ पीस कर देने से लाभ होता है।
- अजवायन का चूर्ण यदि छाछ के साथ लिया जाए तो पेट के कोड़े शीघ्र नष्ट हो जाते हैं।
- गर्भावस्था में गर्भवती महिला को गुड़ व अजवायन देने से गर्भकाल के दौरान होने वाला कमरदर्द मिटता है व भूख बढ़ती है।

टाईम पास

मेघ

चू चे चो ला ली लू ले लो आ

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दृढ़दर्शिता से काम लें। रूकड़ते आरंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्यवकायी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

मृष

इ उ ए ओ वा वी चू चे वो

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

मिथुन

का की कू च ड ठ के को हा

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबरे ही निपटा दें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह

मा मी नू चे गो टा टी डू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या

टो पा पी पूष ण ठ पे पो

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक स्थितिला पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले हो पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी पालती का परचाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-8

तुला

रा टी रु रे टो ता ती तू ते

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक

तो ना नी नू जे नो य वी यू

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य हो रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

धनु

ये यो गा मी नू था का डा ने

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुम्भ

नू जे गो ला सी डू से सो रा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य हो रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन

वी दू थ ज़ अ दे दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 4017

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर वा दाएं से बाएं की जोड़ हलके रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6	8	9
5+6+7+8+9=35		
4+6+7+8+9=34		
5+7+8+9=29		
6+7+8+9=30		

हंसी के फूत्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की. तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए.'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा. 'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

☐ ☐ ☐

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हूँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?'

नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

☐ ☐ ☐

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 4017

1	2	3	4	5	6
		7			
	8			9	10
11	12	13	14		
		15	16	17	18
19	20	21	22		
	23		24		25
26		27	28		
	29		30	31	
32			33		

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेठ्टी, प्रियंका, दीपा की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२

५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३

७. 'चंद को क्या मालूम' गीत वाली पुष्पाजि, शेख मुखार की फिल्म-२,३

९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३

११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३

१४. राजेश खन्ना, बबिता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२

१५. गुडू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२

१७. करण दीवान, वैजयंतीमाता की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३

१९. 'तुम झुंझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीरा रहमान की फिल्म-२

२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गोंव में होते हैंसते रोते' गीत वाली फिल्म-४

२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अरूणपूर, सल्ला, दीपि नवल की फिल्म-३

२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२

२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लड्डी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३

३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४

३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे हैं' गीत वाली फिल्म-३

३३. 'परने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

१. राणी ने इसमें अंभी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२

२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२

३. 'आज गाली मुस्कगली' गीत वाली फिल्म-४

४. शमीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३

६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३

८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२

९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ए हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३

१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मीसमी चटर्जी की फिल्म-३

११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३

१२. 'ना सतय से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निखल, रेखा की फिल्म-२

१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३

१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२

१८. ज़िमी शेरगिल, इरफान, ख़्षिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३

२०. 'गोरी कैवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३

२१. शाहरुख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१

२२.फिल्म 'आरम' में रवेक्षर के साथ नायिका-२

२५. राजनीकान्त, पथिनी, विजेयता की फिल्म-४

२६. 'ऐ याार सुन यात्री' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, पर्वीन बाबी की फिल्म-३

२८. शक्तिरअली, तरुण, मेघना नायडू की फिल्म-२

२९. 'सुघर सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२

३२. ख़्तिक गैरान, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4016

बा	ग	ख	न	खु	स	ल	मा
गी	द	आ	शो	नी	द	लि	
स	ल	मा	न	क	म	शू	क
खी	फ	या	या	द	ल		
	र	न	पा	प	भू	प	
का	या	दे	स	पू	त	ह	
म	नो	ज	जी	मि	छा	या	
रो	म	चि	स	मा	ल	ध	
च	की	न	व्हे	डू	न		
रू	न	म	क	ह	ल	ल	

बायें से दाएँ

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5

4. कराह,टीस,लालसा-3

6.हानि,आपति-2

7.दुश्मनी,बैर-3

8.ईसाफ-2

10.साठवीं जयंती-3

11.जलाऊ लकड़ी-4

14.छोटा भाई-3

16.तिरिंशु,आवारा-4

17.ठाठ-बाट-2

18.आफत,मुसीबत-2

19.रीताना,बदमाशी-4

21.सहायता-3

22.इच्छा,लालसा-4

24.कवि,गजलकार-3

25.जरा,थोड़ा-2

27.मुलायम,नाजुक-3

28.गुफा,खोह-2

29.प्रियतम,मनम-3

30.मन मोहने वाला-5

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5

2.उत्साह,शक्ति-2

3.बिना बाल बारा,गंजा-4

4.पंक्ति,लाइन-3

5.लड़की,पुत्री,बेटी-2

7.वहम,संदेह-2

9.जुड़वा-3

12.प्रतिज्ञा,कसम-3

13.गंगा का पानी-4

15.तीखा,तीक्ष्ण-3

16.आतुर,धैर्यहीन-4

17.संभवतः-3

20.गोविंदा,खुशालू की फिल्म-5

21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3

22.मनोकाशन-4

23.साज,प्रेमी-3

24.संध्या,सांझ-2

26.आनंद-2

28.महीना,मास-2

सुडोकु -4017

5	9		1	2	3	8
			4	5		
2						5
		3		5		
	7					1
	5	8		6		
8						1
3	4		6	7		5
2						

सुडोकु -4016 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 4017

1	2		3		4		5
6				7			
			10				8
							9
11		12			13		
					14	15	
					16		
					18		
					19		
					20		
21							
					22		
					23		
					24		
25	26		27				
	29						
					30		

बायें से दाएँ

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5

4. कराह,टीस,लालसा-3

6.हानि,आपति-2

7.दुश्मनी,बैर-3

8.ईसाफ-2

10.साठवीं जयंती-3

11.जलाऊ लकड़ी-4

14.छोटा भाई-3

16.तिरिंशु,आवारा-4

17.ठाठ-बाट-2

18.आफत,मुसीबत-2

19.रीताना,बदमाशी-4

21.सहायता-3

22.इच्छा,लालसा-4

24.कवि,गजलकार-3

25.जरा,थोड़ा-2

27.मुलायम,नाजुक-3

28.गुफा,खोह-2

29.प्रियतम,मनम-3

30.मन मोहने वाला-5

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5

2.उत्साह,शक्ति-2

3.बिना बाल बारा,गंजा-4

4.पंक्ति,लाइन-3

5.लड़की,पुत्री,बेटी-2

7.वहम,संदेह-2

9.जुड़वा-3

12.प्रतिज्ञा,कसम-3

13.गंगा का पानी-4

15.तीखा,तीक्ष्ण-3

16.आतुर,धैर्यहीन-4

17.संभवतः-3

20.गोविंदा,खुशालू की फिल्म-5

21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3

22.मनोकाशन-4

23.साज,प्रेमी-3

24.संध्या,सांझ-2

26.आनंद-2

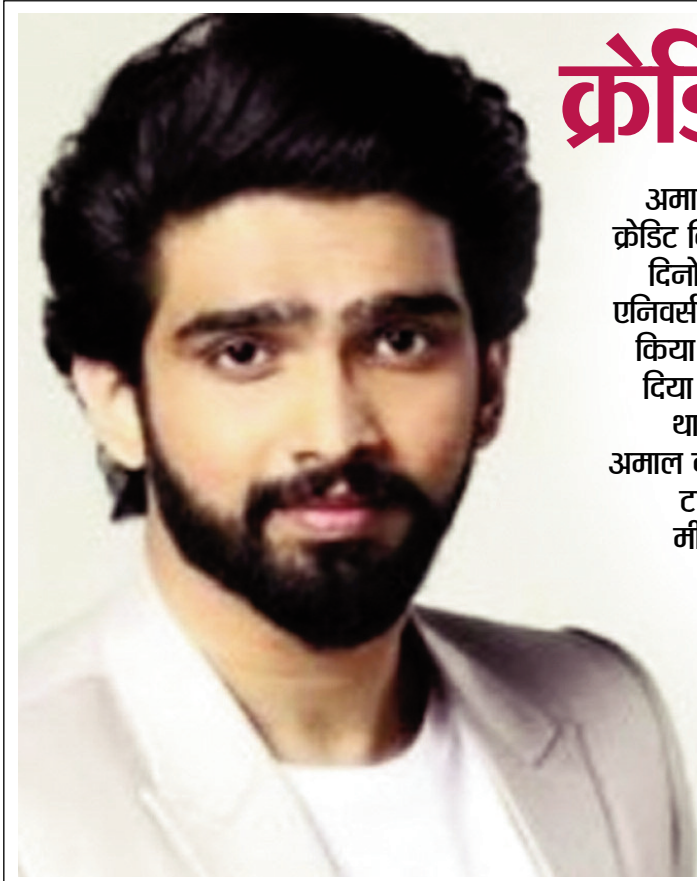
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली -4016 का हल

सं	ग	या	प	न	म	ख	ल	न
ल	न	क	र	र	क	ल	न	की
बा	बा	र	दे	श	ल	न	य	
प	क	त	पा	न	ग	क		
न	क	त	न	ख	ल	ख	ल	न
श	ग	ग	घ	र	इ	फ		
म	र	न	द	म	क	क	क	
र	श	क	क	र	ह	न	या	
इ	म	ल	बा	द	र	या	र	
द	या	क	र	ख	न	का		



क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने दी चेतावनी



अमाल मलिक इन दिनों 'मैं हूँ हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों सलमान खान फिल्मस ने फिल्म 'हीरो' की एनिवर्सरी पर 'मैं हूँ हीरो तेरा' गाने का वीडियो साझा किया था। कैप्शन में अमाल मलिक का नाम नहीं दिया गया, जबकि यह गाना उन्होंने कंपोज किया था। इस पर अमाल ने नाराजगी जाहिर की थी। अमाल का आरोप है कि इसके बाद उनके परिवार को टारगेट किया गया। इस बीच अमाल ने सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों को एलर्ट किया है।

एक शब्द भी बदार्शत नहीं होगा

'मैं हूँ हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए चेतावनी दी है। उन्होंने ट्रोलर्स को सख्त संदेश दिया है कि वे अपने रिस्क पर ही उनसे भिड़ें, क्योंकि वे अपने परिवार के खिलाफ एक शब्द भी बदार्शत नहीं करेंगे। अमाल ने खुद को म्यूजिक का शाहरुख खान बताया। साथ ही यह भी साफ किया कि उनका गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। अमाल ने एक्स पर पोस्ट साझा किया है।

इसमें उन्होंने अपनी आलोचना और परिवार पर हमलों के बीच साफ फर्क बताया और कहा कि परिवार पर हमले बदार्शत नहीं किए जाएंगे। अमाल ने लिखा, 'दुनिया के हर सोशल प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी दर्शकों के लिए एक जरूरी चेतावनी... मेरे परिवार के बारे में एक भी शब्द बदार्शत नहीं किया जाएगा'।

क्रेडिट न मिलने पर फिर जताई नाराजगी

अमाल ने आगे लिखा है, 'सबसे पहले, यह जान लें कि अरमान मलिक ने इसका मेन वर्जन गाया है, जिसकी वजह से इसे एक्टर-प्रोड्यूसर सलमान खान और डायरेक्टर निखिल आडवाणी के सामने पेश किया जा सका। मैंने इसे बनाया, कुमार सर ने इसके बोल लिखे और अरमान मलिक ने इसे गाया, इसलिए इसे मंजूरी मिली और फिर सलमान खान सर ने इसे गाया। चीजें इसी तरह होती हैं और ठीक ऐसा ही हुआ, ठीक है? आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मेरे और कुमार सर के बिना, गाने के लिए कोई गाना ही नहीं होता। अरमान के बिना, सलमान सर को सुनाने के लिए कुछ नहीं होता। सलमान खान के चेहरे और आवाज वाले वर्जन के बिना, यह गाना आज जिस मुकाम पर है, वहां नहीं पहुंच पाता। मैंने कभी इससे इनकार नहीं किया, लेकिन क्या कोई कभी रुककर यह सोचता है कि एक गाना बनाने में कितनी मेहनत लगती है और फिर हर साल हर सोलब्रेशन पोस्ट में उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है'?

सलमान और संजय दत्त वाला गुस्सा है मेरा

म्यूजिक कंपोजर ने यह चेतावनी भी दी कि जो लोग उनके परिवार को

निशाना बनाएंगे, वे उनका पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने पिता डब्लू मलिक और अपने परिवार के साथ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। अमाल ने कहा, 'अगर मैंने आपमें से किसी को भी अपने परिवार के खिलाफ कुछ भी कहते हुए पाया, तो मैं आप सभी का पर्दाफाश कर दूंगा। साथ ही, अगर फिल्म इंडस्ट्री से कोई भी बिना किसी ठोस वजह के मेरे या मेरे परिवार के खिलाफ खड़ा होता है, तो सावधान हो जाइए, मैं आपसे निपट लूंगा। मैं म्यूजिक की दुनिया का रूख हूँ, लेकिन मेरा गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। यह सब शायद दूसरों के साथ चल जाता होगा, लेकिन डब्लू मलिक और उनके परिवार के साथ बिल्कुल नहीं'।

पुलिस एक्शन की कही बात

अमाल मलिक ने आगे लिखा है, 'अपने परिवार के साथ अमाल मलिक खड़ा था, है और हमेशा रहेगा। इसलिए, मुझसे उलझने से पहले सोच लेना। मैं तुम्हारा IP एड्रेस खोजकर तुम्हें ढूंढूंगा और तुम में से हर एक के खिलाफ खुद एफआईआर दर्ज कराऊंगा, चाहे तुम फिल्म इंडस्ट्री से हो या आम जनता हो'। अमाल के पोस्ट पर फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'यह मुद्दा चार दिन पहले ही खत्म हो गया तो फिर से इस तरह की पोस्ट करके क्यों बात बढ़ाई जाए'।



साजिद और आर बाल्की की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान

खबर सामने आ रही है कि आमिर खान एक नई सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाल्की के साथ बातचीत कर रहे हैं।

क्या सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे आमिर?

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाल्की की अगली फिल्म अभी शुरुआती दौर में है और इसकी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। आमिर खान को इस प्रोजेक्ट के लिए प्रभावित किया गया है और उन्होंने इसमें दिलचस्पी भी दिखाई है। हालांकि, उन्होंने अभी फिल्म साइन नहीं की है। बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ महीनों में फिल्म की कहानी, स्क्रिनप्ले और मुख्य किरदार को तैयार करने पर काम किया जाएगा। फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने का प्लान है, इसलिए इसके लुक और प्रोडक्शन डिजाइन पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।

साजिद और आर बाल्की के साथ हो सकती है पहली फिल्म

आमिर खान किसी भी फिल्म को साइन करने से पहले उसकी स्क्रिप्ट पर काफी समय देते हैं। वह तभी किसी प्रोजेक्ट के लिए हां करते हैं, जब उन्हें कहानी पूरी तरह पसंद आती है। ऐसे में इस फिल्म को लेकर भी आमिर और मेकर्स के बीच लगातार बातचीत होने की खबर है। अगर यह फिल्म बनती है तो यह आमिर खान का साजिद नाडियाडवाला और आर बाल्की के साथ पहली फिल्म होगी। आमिर और साजिद काफी समय से दोस्त हैं, लेकिन दोनों ने अब तक साथ में किसी फिल्म पर काम नहीं किया है। वहीं, आर बाल्की अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'चीनी कम', 'पा', 'की एंड का', 'पैडमैन' और 'चुप: रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। ऐसे में आमिर के साथ उनका सुपरहीरो प्रोजेक्ट इस जॉनर से कुछ अलग हो सकता है। आमिर की फिलहाल पक्की फिल्म 'ललकारा' है, जिसका निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। यह पीरियड स्पॉट्स ड्रामा 1952 की वर्तित भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज पर आधारित है। इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद आमिर के राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम करने की भी खबर है।

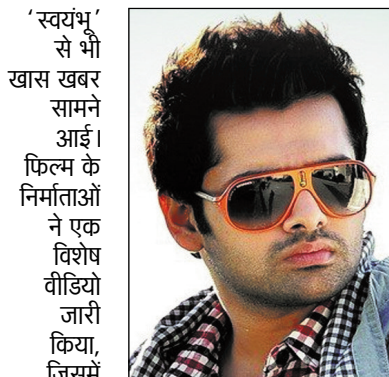


कृति खरबंदा ने पूरे किए बॉलीवुड में 10 साल

हिंदी फिल्म डेब्यू के 10 साल पूरे होने के मौके पर कृति खरबंदा का अब तक का सफर एक ऐसी अभिनेत्री की कहानी है, जिसने समय के साथ अलग-अलग तरह के किरदारों और कहानियों को अपनाया और अपने काम के नए पहलुओं को सामने रखा। 'राज रीबूट' के बाद कृति ने 'शायी में जरूर आना', 'वीरे दी वेंडिंग', 'हाउसफुल 4', 'पागलपती' और 'तेश' जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर जैसे अलग-अलग जॉनर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कभी वह रोमांटिक कहानी का हिस्सा बनीं, तो कभी बड़े स्टारकास्ट वाली कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, 'तेश' जैसी फिल्म ने उन्हें एक अलग तरह की कहानी का हिस्सा बनने का मौका दिया। उनके करियर में हर फिल्म एक अलग अनुभव लेकर आई और उनके काम में नए रंग जोड़ती गईं। कृति के पिछले 10 सालों की एक खास बात यह रही है कि उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म तक सीमित नहीं रखा। कमर्शियल एंटरटेनर्स से लेकर गंभीर और भावनात्मक कहानियों तक, उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्हें अलग-अलग कलाकारों और फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका भी मिला, जिससे उनके अभिनय के सफर में लगातार नए अनुभव जुड़ते गए। बदलते समय के साथ कृति ने ओटीटी की दुनिया में भी कदम रखा। 'राणा नायडू 2' के साथ उन्होंने एक लोकप्रिय स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनकर अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा। थिएटर में फिल्मों के बाद ओटीटी पर काम करने का अनुभव उनके लिए एक अलग माध्यम में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका लेकर आया।

क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी' में नजर आएंगी बिपाशा बसु

बिपाशा बसु करीब 6 साल बाद परदे पर वापसी करने जा रही हैं। हंसल मेहता की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी' में वह लीड रोल में नजर आएंगी। बिपाशा ने पिछले महीने ही मुंबई में सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है। यह प्रोजेक्ट उनके लिए खास है, क्योंकि हंसल के साथ यह उनका पहला काम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बिपाशा को कहानी सुनते ही अपना किरदार पसंद आ गया और उन्होंने तुरंत सीरीज के लिए हामी भर दी। इस सीरीज के लिए उनका एक नया लुक भी तैयार किया गया है। इसमें विशाल जेटवा और सनी कोशल भी दिखेंगे। 'बाराबंकी' 1984 की पृष्ठभूमि में सेट है और सेवानिवृत्त IPS अधिकारी आलोक लाल की किताब पर बेस्ड है। इसमें उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में अफीम के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए गए बड़े पुलिस ऑपरेशन पर कहानी केन्द्रित है। इसमें एक ईमानदार अधिकारी के बड़े ड्रग कार्टेल के खिलाफ संघर्ष को दिखाया जाएगा।

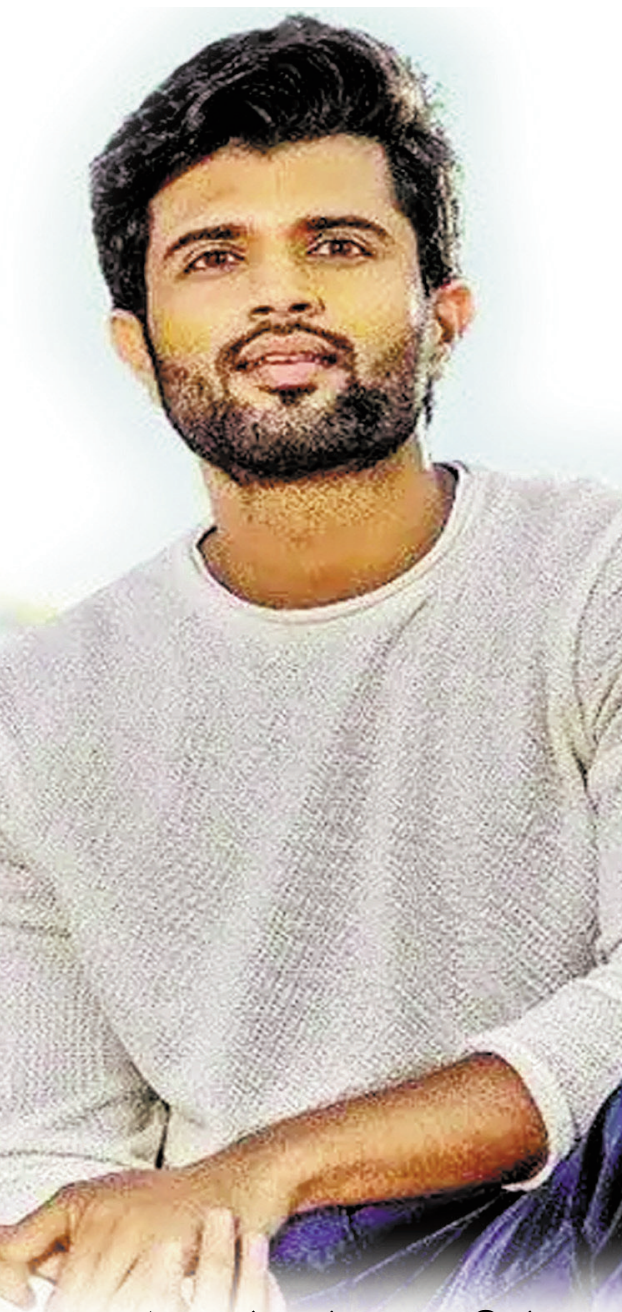


'स्वयंभू' से भी खास खबर सामने आई। फिल्म के निर्माताओं ने एक विशेष वीडियो जारी किया, जिसमें संयुक्ता को अपने किरदार 'भूमि' की तैयारी करते हुए दिखाया गया है। फिल्म की कहानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बेस्ड है और इसमें बड़े स्तर पर युद्ध और एक्शन के दृश्य देखने को मिलेंगे।



दमदार और एक्शन से भरपूर होगा 'एंटी' में सनी का किरदार

सनी देओल इन दिनों लगातार अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। 'गदर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद एक्टर का एक्शन अवतार एक बार फिर दर्शकों के बीच पसंद किया जा रहा है। सनी की आने वाली फिल्मों में एक नाम 'एंटी' का है। इस फिल्म में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर अब यह जानकारी सामने आई है कि इसमें सनी का किरदार काफी दमदार और एक्शन से भरपूर होगा। फिल्म की कहानी और सनी देओल के किरदार को फिलहाल निर्माताओं ने काफी हद तक गुप्त रखा है। 'एंटी' की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। हाल ही में सनी देओल ने फिल्म के लिए एक महत्वपूर्ण सीन की शूटिंग की है। इसमें तेज रफतार गाड़ियों का पीछा करने वाले दृश्य भी शामिल हैं। फिल्म में सनी के साथ विजय वर्मा भी नजर आएंगे। विजय फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। वह पहली बार सनी देओल के साथ इस तरह की एक्शन फिल्म में काम कर रहे हैं। विजय ने सनी देओल के साथ काम करने को लेकर अपनी खुशी भी जाहिर की है।



लालो... के तेलुगु रीमेक में विजय देवरकोंडा बनेंगे श्रीकृष्ण

गुजराती ब्लॉकबस्टर फिल्म 'लालो: कृष्ण सदा सहायते' के तेलुगु रीमेक को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले खबर थी कि फिल्म में राम चरण श्रीकृष्ण की भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन अब यह साफ हो गया है कि इस किरदार के लिए विजय

देवरकोंडा को चुना गया है। फिल्म के तेलुगु रीमेक के राइटर्स मशहूर निर्माता दिल राजू ने हासिल किए हैं। विप्लु डी. शाह ने इस डील को फाइनल कराने में अहम भूमिका निभाई है। अंकित सखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में करण जोशी लीड रोल में थे। 'लालो...' एक ऑटो-रिवेंश ड्राइवर की कहानी है, जो चोरी के इरादे से एक सुनसान हवेली में पहुंचता है और वहीं फंस जाता है। इसी मुश्किल वक्त में एक रहस्यमयी शाख्स उसकी मदद करता है। बीते साल 10 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआत में बेहद धीमी कमाई की थी। पहले हफ्ते करीब 36 लाख और दूसरे हफ्ते 28 लाख रुपए कमाने के बाद तीसरे हफ्ते से इसकी कमाई बढ़ने लगी। चौथे हफ्ते फिल्म ने करीब 14 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया और इसके बाद 100 करोड़ तक बिना किसी रुकावट के पहुंच गई। इसने सीमित बजट और बिना बड़े सितारों के बावजूद एक बड़ी गुजराती हिट का रिकॉर्ड बनाया। फिल्म के सक्सेस, संगीत और कलाइमेक्स के साथ-साथ एंड-क्रेडिट गाने को भी दर्शकों का जबरदस्त रिस्रॉन्स मिला था।